चैत्र कृष्ण पक्ष- 9, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 245 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 मार्च 2026 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
36.8 अधिकतम
14.4 न्यूनतम

Page-7

युद्ध अनंत-संकट अनंता... अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत फिर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर

शांति के लिए ईरान की तीन शर्तें

- ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता
- युद्ध में हुए नुकसान की पूरी भरपाई
- भविष्य में हमला न होने की अंतरराष्ट्रीय गारंटी

ट्रम्प बोले- हमने जंग जीती, अभी जारी रहेगी

तेल अवीव/तेहरान. एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के 13 वें दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान जंग में अमेरिका जीत चुका है, लेकिन मिशन पूरा होने तक लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने केंटकी राज्य में रैली के दौरान कहा कि जंग के पहले ही घंटे में साफ हो गया था कि अमेरिका आगे है और अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य ताकत को काफी कमजोर कर दिया है। वहीं, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने संसद को बताया कि ईरान जंग के शुरुआती 6 दिन में अमेरिका ने करीब 11.3 अरब डॉलर (लगभग 1 लाख करोड़) खर्च किए हैं। इनमें से करीब 5 अरब डॉलर हथियार और गोला-बारूद पर खर्च हुए।

ट्रम्प ने एक बयान में कहा कि ईरान में सैन्य ठिकानों और टारगेट्स पर बड़े पैमाने पर हमले हो चुके हैं जिस वजह से अब ईरान में कुछ भी नहीं बचा है। उनकी वायु सेना से लेकर उनके सभी एंटी-डिफेंस को खत्म कर दिया गया है और अब जब भी वो चाहेंगे ये जंग खत्म हो जाएगी। दूसरी ओर ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जंग खत्म करने के लिए तीन शर्तें जरूरी हैं। सबसे पहले ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता दी जाए, दुसरे युद्ध के नुकसान की भरपाई की जाए और भविष्य में हमला न होने की अंतरराष्ट्रीय गारंटी मिले। उधर, इजराइल ने बुधवार रात लेबनान की राजधानी बेरूत में उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह को निशाना बनाकर हमला किया। बहरीन के गृह मंत्रालय ने बताया कि ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में चार बहरीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से संपर्क रखने का आरोप है। मंत्रालय के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की उम्र 22 से 36 साल के बीच है। जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी ने अपने साथियों की मदद से बहरीन के कई महत्वपूर्ण जगहों की तस्वीरें लीं और उनकी लोकेशन रिकॉर्ड की।

1100 से ज्यादा बच्चे घायल या मारे गए

यूनिसेफ ने कहा है कि मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण बच्चों की हालात काफी खराब हो गई है। एजेंसी के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक हिंसा में 1100 से ज्यादा बच्चे घायल या मारे गए हैं। इनमें लगभग 200 बच्चे ईरान में, 91 बच्चे लेबनान में, चार बच्चे इजराइल में और एक बच्चा कुवैत में मारा गया है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अगर संघर्ष और बढ़ा तो पीड़ित बच्चों की संख्या और बढ़ सकती है। लगातार हमलों के कारण लाखों बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं।

अंदर खास

गैस संकट: कहीं चाय महंगी तो कहीं खाना हुआ बंद, लोग हो रहे परेशान

कमर्शियल के साथ ही रसोई गैस के लिए भी मारामारी, कालाबाजारी की शिकायतें: देखें पेज 2 और 8

200 डॉलर तक जा सकता है तेल

ईरान ने चेतावनी दी है कि जंग के कारण कच्चे तेल कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। तेहरान के खातम अल-अनबिया सैन्य कमांड मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोलफकारी ने बुधवार को यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि ईरान अब केवल जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विरोधियों के खिलाफ लगातार सैन्य कार्रवाई करेगा। जोलफकारी ने कहा कि ईरान अमेरिका, इजराइल और उनके सहयोगियों तक तेल पहुंचने नहीं देगा। उनके मुताबिक ऐसे देशों की ओर जाने वाले किसी भी जहाज या टैंकर को वैध निशाना माना जाएगा।

पालतू जानवर छोड़कर भागना मजबूरी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते इजराइल-ईरान तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात में लोग देश छोड़ने की तैयारी में अपने पालतू कुत्तों, बिल्लियों और दूसरे जानवरों को सड़कों या शेल्टर में छोड़ रहे हैं। रेस्क्यू संगठनों के अनुसार, लोग जानवरों को बिना खाना-पानी के भीषण गर्मी में रास्ते में पोल से बांध कर छोड़ रहे हैं। कई जगह लोगों ने अपने कुत्तों के पास सॉरी लिखे हुए पोस्टर भी रख छोड़े हैं। एनिमल वेलफेयर वर्कर्स का कहना है कि उन्हें घरों या आश्रयों के बाहर पिंजरों में बंद बिल्लियां और पिल्ले भी मिले हैं। अबू धाबी में जानवरों के लिए काम करने वाले इसे स्वार्थी और निर्दयी कदम बता रहे हैं । उन्होंने यह भी कहा कि उनके शेल्टर के पास इलाके में दो छोड़े गए कुत्तों को गोली मारने की खबर मिली है।

होर्मूज स्ट्रेट में भारतीय जहाजों को इजाजत मिलने का दावा

जंग के बीच खबर है कि ईरान सरकार ने भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत दे दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने हवाले से कहा है कि जो जहाज अमेरिका और इजराइल के हितों से जुड़े नहीं हैं, उन्हें इस रास्ते से गुजरने दिया जाएगा। इसी वजह से फिलहाल भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिया गया है। इससे पहले ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले शिप्स पर हमले की धमकी दी थी।

ईरान आखिर क्यों जंग से पीछे नहीं हट रहा?

वॉर एनालिसिस

राजेश सिरोठिया

अमेरिका ने अब यह नैरेटिव बनाना शुरू कर दिया है कि ईरान की जंग उन्होंने लगभग जीत ही ली है। जल्द ही यह जंग खत्म हो जाएगी, लेकिन यह कब होगा इसे बताने की स्थिति में वह नहीं हैं। ट्रम्प के पल-पल बदलते बयानों ने उनकी साख पर पहले से दाग लगा रखे हैं। छह महीने पहले ईरान पर हमला करके उन्होंने उसके परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करने का दावा किया था। यदि वह सच था तो अब फिर से ईरान के इन ठिकानों तबाह करके दुनिया को सुरक्षित करने की दुहाई क्यों दे रहे हैं? खीझ इतनी है कि अपने आलोचकों को वह मूर्ख करार देने लगे हैं।

ट्रम्प के अंहकारी बयानों के पीछे उनकी रणीनतिक सोच कम, बेचैनी ज्यादा दिखती है। इसकी वजह यही है कि ईरान ऐलानिया रूप से कह रहा है कि वह न झुकेगा और न पीछे हटेगा। छह महीने की भी जंग के लिए वह तैयार है। ईरान की सैन्य क्षमता के विनाश के ट्रम्प के दावे सच होते तो गुरुवार दोपहर ईरान खाड़ी के मुल्कों को धमकी क्यों देता? उसने बुधवार शाम से बीती रात तक ओमान के बाद ईराक और बहरीन जैसे देशों पर हमले किये। साथ ही स्टेट आफ हर्मुज के संकरे गलियारे से गुजरने वाले थाई मालवाहक को भी निशाना बनाया। ओमान के सलाहल बंदरगाह पर मौजूद तेल भंडारों को निशाना बनाकर यह साबित कर रहा है कि वह अरब सागर में सीधे खुलने वाले और हॉर्मुज से महफूज तेल भंडारों को भी नहीं बख्शेगा। ट्रम्प की दुविधा यह है कि वह जीत के खोखले दावों के साथ जंग रोकेंगे तो अमेरिकी सीनेट से लेकर देश लोगों को क्या मुंह दिखाएंगे। युद्ध जारी रहा तो हर रोज के करोड़ों के नुकसान की भरपाई कैसे होगी? यदि ट्रम्प के दावों में दम होता तो पहले ईरान पीछे कदम खींचता। उधर, इजरायल साफ कर चुका है कि अमेरिका पीछे हटा तो भी वह अपने वजूद के लिए लड़ाई जारी रखेगा। जंग कैसे और कब रूकेगी, इसका तभी वास्तविक आकलन होगा जब तय होगा कि ईरान, इजरायल और अमेरिका ने इसमें क्या खोया और क्या पाया? लेकिन कई देश युद्ध में कूदे बगैर ही इसके साइड इफेक्ट झेलने को विवश हैं।

ईरानी सेना के लिए सुप्रीम लीडर का फरमान ही सब कुछ

ईरान की आक्रामकता के पीछे छुपे रहस्यों को समझने के लिए वहां के राजनीतिक ढांचे को समझना जरूरी है। इस अनछुए पहलू पर कोई गौर ही नहीं कर रहा । दरअसल 31 प्रांतों में बंटे ईरान के चीफ कमांडिंग अफसर या भारत के संदर्भों में उनके राज्यपाल, सीधे तौर पर ईरानी संसद या राष्ट्रपति के बजाए 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद से उनके धार्मिक सुप्रीम लीडर के प्रति जवाबदेह हैं। ईरानी सेना के दस लाख सैनिक संसद और राष्ट्रपति के प्रति जवाबदेह तो हैं लेकिन अपने राज्यों के मुखिया के अधीन रहने के चलते वे भी दो लाख इस्लामिक रिवोल्युशनरी गार्ड कार्प्स की तरह मजहबी सुप्रीम लीडर के हुक्म की तामीली के लिए प्रतिबद्ध हैं। 28 फरवरी की सुबह अली खेमनई अपने कुछ मत्रियों और सैन्य कमांडरों के साथ इजरायली और अमेरिकी हमलों में मारे गए। लेकिन जिस बैठक के दौरान वह मारे गए वह इस इनपुट के बाद ही बुलाई गई थी कि ईरान पर कभी भी बड़ा हमला हो सकता है। इसी के चलते हमले में शिकार होने के पहले ही खेमनई सभी 31 प्रांतों के प्रमुखों और आईआरजीसी को यह आदेश दे चुके थे कि हमला होने पर तुरंत पलटवार किया जाए। यह आदेश अभी भी कायम है। आईआरजीसी ईरान की सेना से हटकर ईरान के राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक मामलों में दखल रखती है, इसीलए उसने खेमनई की हत्या के बाद बनी तीन सदस्यीय अंतरिम परिषद के शांति और संवाद के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। अली के बेटे मुज्तबा खेमनई नए सुप्रीमो बन चुके हैं लेकिन उनका न कोई नया आदेश आया और न वे सार्वजनिक तौर पर दिखे। कयास उनके घायल होने के हैं, जिसके चलते उनका कोई नया फरमान भी जारी नहीं हो सका है।

न्यूज विंडो

महाराष्ट्र विस में बम की धमकी, सत्र के बीच हड़कंप

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान आज विधान भवन में बम की धमकी मिली। यह धमकी एक ईमेल के जरिए दी गई थी। इस धमकी भरे संदेश के बाद पूरे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने बताया कि जैसे ही इस खतरे की जानकारी मिली, तुरंत सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। एहतियात के तौर पर दक्षिण मुंबई में स्थित इस विधानमंडल परिसर से सभी कर्मचारियों और अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

फैक्ट्री में भीषण आग, 30 लोग झुलसे-बेहोश हुए

नोएडा। नोएडा में मीटर बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग में 250 लोगों की जिंदगी बाल-बाल बच गई। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने लपटों के बीच फंसे कर्मचारियों को निकाल लिया। हालांकि, कई लोग मामूली रूप से झुलस गए तो कुछ धुएं में बेहोश हो गए थे और कुछ भगदड़ में जख्मी हो गए। ऐसे 30 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आज तड़के सेक्टर-चार स्थित में विद्युत मीटर बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से फंसे करीब 250 कर्मियों को दमकल विभाग ने बचाया। साथ ही घायल हुए 30 से अधिक लोगों को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भेजा। दमकल कर्मियों ने करीब 30 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया।

आज का कार्टून

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, आईईडी सहित सामान मिला

राजौरी. एजेंसी

सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक दूर जंगल वाले इलाके में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इतना ही नहीं एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस भी बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि थानामंडी के चमरेर जंगल वाले इलाके में राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों के सर्च ऑपरेशन के दौरान इस ठिकाने का पता चला। ठिकाने से इस्तेमाल के लिए तैयार आईईडी के अलावा, कुछ खाने-पीने का सामान और कपड़े भी बरामद किए गए। हालांकि, किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया।

शब्बीर शाह को मिली जमानत: सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को आज जमानत दे दी है। यह फैसला जम्मू-कश्मीर से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शब्बीर अहमद शाह की जमानत मंजूर की जा रही है। जमानत पर विस्तृत आदेश कुछ शर्तों के साथ जल्द ही जारी किया जाएगा। इन शर्तों में क्या-क्या शामिल होगा, यह आदेश में स्पष्ट होगा। बता दें कि शब्बीर अहमद शाह पर एनआईए ने आरोप लगाया था कि वे आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग में शामिल थे।

तिरंगे का अपमान, हार्दिक के खिलाफ शिकायत दर्ज

बंगलूरू। भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत के जश्न के बाद ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने दी है। उन्होंने क्रिकेटर के खिलाफ जांच और कार्रवाई की अपील की है। यह शिकायत बंगलूरू के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है। इस मामले में वाजिद ने पुलिस से हार्दिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

13 साल से कम उम्र के बच्चों लिए व्हाट्सएप लाएगा नया फीचर, माता-पिता के पास होगा अकाउंट का कंट्रोल

नईदिल्ली, एजेंसी

लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वाट्सअप जल्द ही बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक नया फीचर लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। व्हाट्सएप जल्द ही 'पैरेंट मैनेज्ड अकाउंट' नाम का एक फीचर जोड़ने पर विचार कर रहा है। इस फीचर का उद्देश्य बच्चों के लिए वाट्सएप को अधिक सुरक्षित बनाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सिस्टम खास तौर पर 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इसके तहत बच्चों का व्हाट्सएप अकाउंट उनके माता-पिता के अकाउंट से लिंक किया जाएगा, जिससे पैरेंट्स बच्चों की व्हाट्सएप गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे। इस नए फीचर के आने के बाद माता-पिता को कई तरह के कंट्रोल मिलेंगे। वे यह तय कर पाएंगे कि बच्चे को कौन-कौन मैसेज भेज सकता है, किन लोगों को कॉन्टैक्ट लिस्ट में रखा जा सकता है और बच्चे को किन ग्रुप्स में जोड़ा जा सकता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चे सुरक्षित माहौल में मैसेजिंग कर सकें और अनजान लोगों के संपर्क में न आएं।

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले ओम बिरला

नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका सदन के नियम सबसे ऊपर

नईदिल्ली. एजेंसी

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आज पहली बार आसन पर आए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है और नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी व्यक्ति नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों।

ओम बिरला ने बताया कि सदन में पिछले दो दिनों में 12 घंटे से अधिक बहस हुई, ताकि सभी सदस्यों के विचार और चिंताएं सामने आ सकें। उन्होंने कहा 'यह सदन 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यहां हर सांसद अपनी जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं के साथ आता है। मैंने हमेशा कोशिश की कि हर सांसद नियमों के तहत अपनी बात रखे।

पीएम घबराए हुए : राहुल

संसद परिसर में राहुल समेत विपक्ष के सांसदों ने सिलेंडर संकट पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब' के नारे लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन वह खुद घबराए हुए लग रहे हैं, बिल्कुल अलग वजहों से। वे एप्स्टीन अदाणी केस की वजह से पैनिक हैं। आपने कल देखा कि सदन के अंदर प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली थी। वह देश से कह रहे हैं कि घबराएं नहीं, जबकि वह खुद परेशान लग रहे हैं। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर हमले का मुद्दा उठाया।

मेट्रो एंकर | जागरुकता की कमी और गलतफहमियों की वजह से हजारों महिलाओं को हो रही बीमारी

सर्वाइकल कैंसर का 'डेथ बेल्ट' बनते यूपी-तमिलनाडु, एमपी छठे नंबर पर

नई दिल्ली/ भोपाल. एजेंसी

देश में गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की बढ़ती रफ्तार ने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। राज्यसभा में सांसद राजिंदर गुप्ता के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पेश की गई ताजा रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु इस बीमारी के सबसे बड़े केंद्र बनकर उभरे हैं मध्य प्रदेश की स्थिति भी डराने वाली है, जहाँ यह बीमारी टॉप राज्यों की सूची में शामिल है । उत्तर प्रदेश देश में इस बीमारी का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है, जबकि मध्य प्रदेश मौतों और केसों के मामले में देश में छठे स्थान पर है। डॉक्टरों का कहना है कि यह उन कुछ कैंसर में से एक है जिन्हें काफी हद तक रोका जा सकता है। लेकिन जागरूकता की कमी और कई तरह की

गलतफहमियों की वजह से आज भी हजारों महिलाएं इसकी चपेट में आ रही हैं।

मध्य प्रदेश में पिछले पांच वर्षों में सर्वाइकल कैंसर न केवल स्थिर रहा है, बल्कि इसमें मामूली बढ़ोत्तरी भी दर्ज की गई है। प्रदेश में हर साल 4 हजार से ज्यादा सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं। करीब 21 सौ महिलाएं हर साल इसकी जद में आकर जान गवां रहीं हैं। सरकार ने बीमारी की जल्द पहचान के लिए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' और जिला अस्पतालों में स्क्रीनिंग तेज कर दी है। मध्य प्रदेश में पिछले पांच वर्षों में सर्वाइकल कैंसर न केवल स्थिर रहा है, बल्कि इसमें मामूली बढ़ोत्तरी भी दर्ज की गई है।

मप्र में हर साल 4 हजार से ज्यादा सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं। करीब 21 सौ महिलाएं हर साल इसकी जद में आकर जान गवां रहीं हैं। सरकार ने बीमारी की जल्द पहचान के लिए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' और जिला अस्पतालों में स्क्रीनिंग तेज कर दी है। वर्ष 2025-26 में अब तक मध्य प्रदेश में 11.96 लाख महिलाओं की स्क्रीनिंग पूरी हो चुकी है ।

14 साल की बालिकाओं को वैक्सीन

केंद्र सरकार ने 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए मुफ्त एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया है । इसके लिए स्वदेशी टीके 'सर्ववैक' के उपयोग को प्राथमिकता दी जा रही है । एमपी के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों (बुधनी, छतरपुर, दमोह) में कैंसर के इलाज और विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती को प्राथमिकता दी जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को इलाज के लिए बड़े शहरों के चक्कर न काटने पड़ें। प्रदेश में 11.96 लाख महिलाओं की स्क्रीनिंग पूरी हो चुकी है।

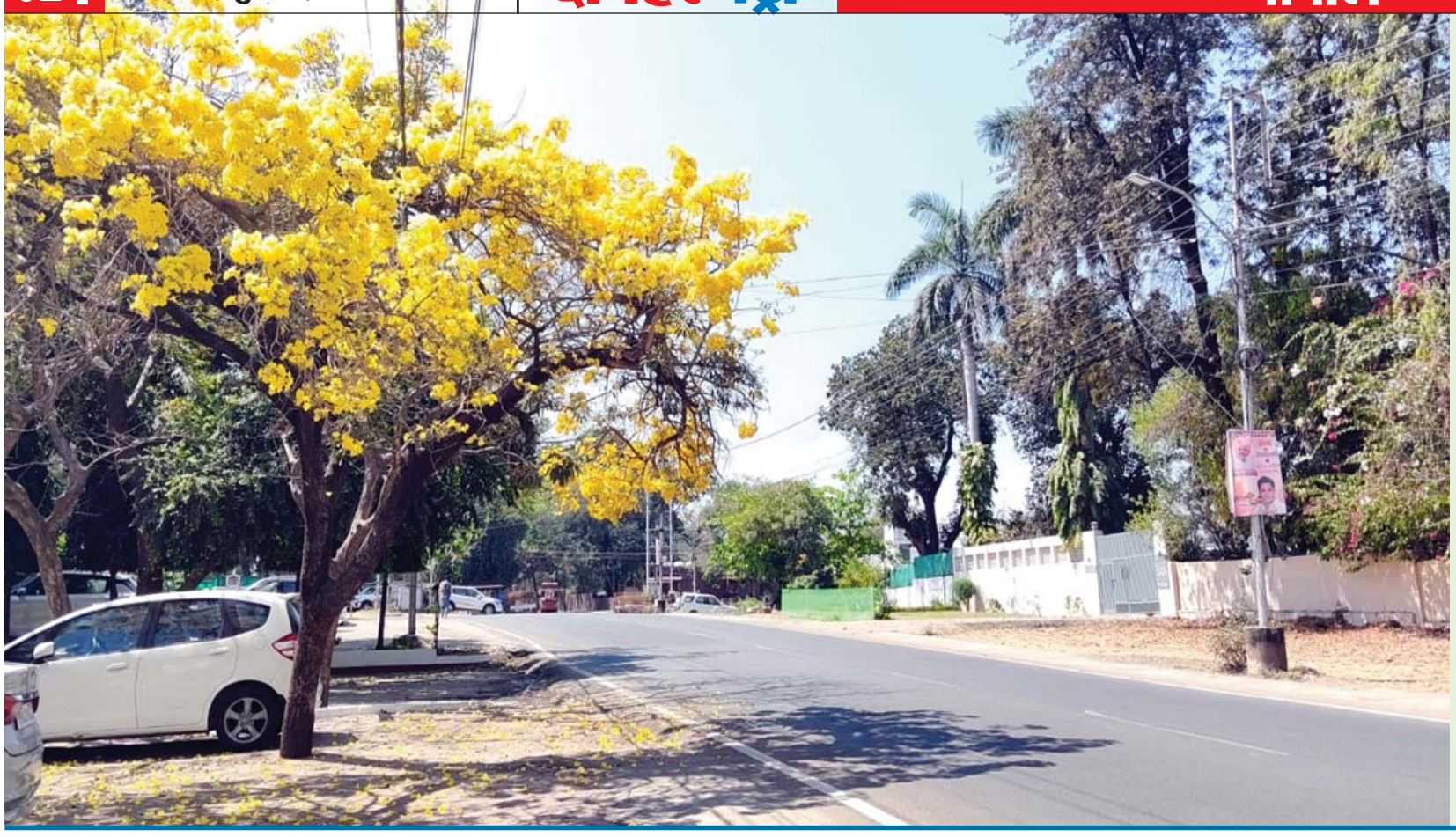

सड़कों पर दिखने लगा सन्नाटा

प्रदेश में सूर्य ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मार्च में कई जिलों में गर्मी का प्रकोप दिखने लगा। दिन में सूर्यदेव की तपिश का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचने का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक दिव्या सुरेंद्रन के मुताबिक कई जिलों में सामान्य से अधिक तापमान रह रहे हैं। बीते 24 घंटे में प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम शुष्क रहा है। अधिकतम तापमान में कोई खास परिवर्तन नहीं है। स्कूल- कॉलेजों में बच्चों की परीक्षाएं समाप्त हो गई है। वही गर्मी के साथ धूप की बढ़ती तपिश का असर सोमवार को सड़कों पर दिखने लगा। लोग चेहरे को गमछे से ढंककर निकलने लगे, वही परीक्षाएं खत्म होने और स्कूल नहीं लगने से बच्चे घर पर ही रहने लगे। उधर घरों में एसी- कूलर भी चलना शुरू हो गया। कूलर और मटकों की दुकानों पर भी बिक्री दिखने लगी, तो लोग प्यास से बचने कोल्डड्रिंक, लस्सी, आइसक्रीम आदि का सहारा लेने लगे। डॉक्टरों की मानें तो मार्च का यही मौसम सबसे ज्यादा बीमारियां फैलाता है। दरअसल, इस महीने दिन में तो गर्मी बढ़ जाती है, लेकिन रात और सुबह हल्की ठंड रहती है। कई बार लोग दिन की गर्मी से बचने के लिए हल्के कपड़े पहन लेते हैं। वहीं, कोल्ड्रिंक्स समेत शीतल पेय पदार्थों का भी सेवन करते हैं। इससे सर्दी-जुकाम एलर्जी और अस्थमा के मरीज बढ़ते हैं। सुबह और देर रात ठंडी हवा से बचना जरूरी है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को। प्रदेश में मार्च के दूसरे पखवाड़े में तेज गर्मी का ट्रेंड है। पिछले 10 साल में 15 मार्च के बाद ही तेज गर्मी पड़ी है, लेकिन इस बार ट्रेंड बदल गया है। दूसरे पखवाड़े की बजाय शुरुआत में ही पारे में उछाल आया है।

रसोई गैस की उपलब्धता के सरकारी दावों के बीच खड़ा हो गया बुकिंग का संकट

शहर की एजेंसियों पर लगी कतारें कंपनियां नहीं कर पा रही सप्लाई

घरेलू सिलेंडर की किल्लत, ऑनलाइन बुकिंग बंद होने से बढ़ी मुश्किलें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रसोई गैस की उपलब्धता के सरकारी दावों के बीच बुकिंग का संकट खड़ा हो गया है। किल्लत की आशंका से बुकिंग के लिए ग्राहकों की संख्या में 400 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। इसका असर यह हुआ कि अधिकतर गैस कंपनियों के बुकिंग का सिस्टम क्रैश हो गया। जिसका असर प्रदेश की राजधानी में भी स्पष्ट नजर आने लगा है। हालात यह निर्मित हो गए हैं कि ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई तो वहीं उपभोक्ता सिलेंडर लेकर एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं। इसके बाद भी उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं।

एक और व्यावसायिक सिलेंडरों की सप्लाई रोक गई थी, वही घरेलू गैस सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग भी बंद हो गई है। उधर कुछ वितरकों ने ऑफलाइन में भी सिलेंडर देना बंद कर दिया है। ये स्थिति कब तक रहेगी? इस बारे में एजेंसी वाले भी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। सिर्फ एक ही जवाब दे रहे है कि चार दिन से कंपनियों ने सप्लाई नहीं की है। उधर रसोई गैस करने वाली कंपनी भी मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं कर पा रही है।

रसोई गैस वितरण पर नियंत्रण के आदेश आते ही मध्य प्रदेश में भी एलपीजी की आपूर्ति लगभग 30 प्रतिशत तक घट गई है। बुकिंग बंद होने से गैस वितरकों के यहां लोगों की लंबी कतारें सुबह से लगनी शुरू हो गई है। चूंकि रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग बंद हो गई है। घबराए उपभोक्ता वितरकों के यहां पहुंचे, तो ऑफ लाइन में जो वितरक सिलेंडर देते थे, वे भी बुकिंग बंद कर दिया है। इस बीच जानकारी मिली कि खाद्य विभाग की टीमों ने गैस एजेंसियों पर जाकर स्टॉक की जांच की और भारत सरकार की सख्ती नियमों की जानकारी दी। भोपाल में एलपीजी सिलेंडर के लिए लोग परेशान होने लगे हैं। जैसे ही व्यावसायिक सिलेंडर के वितरण पर बैन लगने और ऑनलाइन बुकिंग भी बंद होने की जानकारी मिली।

टीटीनगर जीटीबी कंपलेक्स में गैस की टंकी के लिए लोग परेशान होते हुए।

व्यापारियों को मिले राहत

कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के ऑर्डर पर लगी रोक को लेकर राहत की मांग को लेकर होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट एवं केटरिंग व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों ने करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कैट अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि कॉमर्शियल सिलेंडर के ऑर्डर पर लगी रोक से भोपाल शहर में आज होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट तथा केटरिंग व्यवसाय से जुड़े 10 हजार से अधिक छोटे व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई होटलों को बंद करने की नौबत आ गई। व्यापारियों ने बताया कि विवाह समारोहों एवं अन्य सामाजिक आयोजनों में केटरिंग सेवाओं और बड़े आयोजनों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आवश्यकता अत्यधिक रहती है। सिलेंडरों की उपलब्धता प्रभावित होने से न केवल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, बल्कि आम नागरिकों को भी विवाह एवं अन्य कार्यक्रमों के आयोजन में परेशानी आ रही है।

एमपी नगर में देर रात तक सुधारी नई सीवेज लाइन

आज निगम रखेगा नजर, ट्रैफिक डायवर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के एमपी नगर स्थित ज्योति टॉकीज चौराहे के पास धंसी सड़क को सुधारने का काम शुरू हो गया है। पहले दिन ठेकेदार ने नाले का पानी बंद कर दिया, जिससे ज्योति कॉम्प्लेक्स की करीब डेढ़ सौ दुकानों में गंदा पानी भर गया।

व्यापारियों ने इसका विरोध किया। इसके बाद देर रात तक सुधार चला। आज, गुरुवार को ऐसे हालात न बने, इसलिए नगर निगम की टीम नजर रखेगी। वहीं, पुलिस ने भी ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है। बता दें कि सीवेज की पाइप लाइन जब लीकेज हुई, तब पानी का बहाव इतना तेज था कि कुछ ही मिनटों में बेसमेंट और दुकानों में पानी भर गया। ज्योति कॉम्प्लेक्स में करीब 150 दुकानें हैं। इनमें कई मोबाइल शॉप व अन्य दुकानें बेसमेंट में हैं। बदबू और पानी की तेजी के कारण दुकानदारों को अंदर खड़ा रहना मुश्किल हो गया था। दुकानों में पानी भरता देख भड़के व्यापारियों ने बाहर निकलकर ज्योति टॉकीज से बोर्ड ऑफिस जाने वाले एकमात्र रास्ते को बंद कर दिया। स?क के काम के लिए पहले से ही बोर्ड ऑफिस से ज्योति टॉकीज आने वाला मार्ग बंद है। इससे चेतक ब्रिज और एमपी नगर जोन-1 व जोन-2 से आने वाले वाहन चालक प्रभावित हुए। रास्ते बंद होने के कारण चेतक ब्रिज से बोर्ड ऑफिस तक आने वाले लोगों को करीब दो किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ा और लंबी-लंबी वाहनों की कतारें लग गईं।

नाले का पानी बंद करने से ओवरफ्लो हुआ चेंबर-

जानकारी के अनुसार, बेसमेंट में पानी निकासी के लिए चेंबर बनाए गए हैं। इनमें से सीवेज लाइन भी गुजरती है। पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार ने नाले का पानी बंद किया, जिससे सीवेज लाइन टूटी और पानी चेंबर से ओवरफ्लो होकर बेसमेंट में भर गया। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर पानी को टैंकर के माध्यम से बाहर निकाला। पिछले साल तेज बारिश के बीच भोपाल के सबसे व्यस्त इलाके एमपी नगर में स?क धंस गई थी। यहां मेन रोड पर करीब 8 फीट गहरा और 10 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया था। ये गड्ढा इतना गहरा था कि इसमें कोई कार भी समा जाए।

रविशंकर शुक्ल मार्केट पुनर्निर्माण का मामला

शिवाजी नगर की जर्जर बिल्डिंग नहीं टूट सकी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के शिवाजी नगर स्थित 5 नंबर स्टॉप के 45 साल पुराने जर्जर पं. रविशंकर शुक्ल मार्केट का पुनर्विकास निर्माण कार्य एक साल बीतने के बाद भी अभी तक शुरू नहीं हो सका है। मप्र गृह निर्माण मंडल से यहां के दुकानदारों और रहवासियों को को भवन खाली करने का नोटिस मिले एक साल पूरे हो गए, लेकिन अभी तक दुकानदार नहीं हटे। कुछ रहवासियों के घर खाली कर दिए हैं।

बोर्ड ने दुकानदारों के लिए 5 नंबर बंगलों के बीच खेल मैदान पर करीबन 100 दुकानें निर्माण कर कर दिया, लेकिन वहां कोई भी नहीं पहुंचा। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि दुकानें खाली नहीं होने से मार्केट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। बता दें कि हाउसिंग बोर्ड शिवाजी नगर स्थित 5 नबंर रविशंकर शुक्ल मार्केट कॉम्पलेक्स को तोड़कर करीबन 272 करोड़ रुपये से नया परिसर बनाने की तैयारी कर ली है। हाउसिंग बोर्ड ने 1960 में पं. रविशंकर मार्केट में 59 दुकानें और 227 फ्लैट्स निर्मित किए थे। अब नए प्रोजेक्ट में 150 दुकानें और करीब 1000 फ्लैट्स बनाए जा सकते हैं। इसमें पुराने फ्लैटधारकों को मुफ्त में बड़े और नए फ्लैट्स मिलेंगे। इसके बाद बचे हुए फ्लैट्स व दुकानों को बेचने से पूरी लागत निकाली जाएगी। पिछले एक साल में मार्केट खाली ना होने पर अब हाउसिंग बोर्ड की टीम रविशंकर मार्केट के व्यापारियों और रहवासियों को भवन खाली करने के लिए तैयार करेगी। इन्हें तीन साल तक कहीं और रहना होगा, जिसका किराया बोर्ड ही देगा। रेट कंट्रोल अथॉरिटी के नियमों के तहत किराया निर्धारण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। रविशंकर मार्केट के लिए 20 मंजिला 8 टॉवर, 380 फ्लैट्स और 129 दुकानें बननी है। जिला प्रशासन इस कॉम्पलेक्स को 45-50 साल पुराना होने से जर्जर घोषित कर दिया हैं। इस कॉम्पलेक्स की पुनर्विकास योजना 8 टॉवर (प्रत्येक 20 मंजिला, 380 फ्लैट 1-5 बीएचके और 129 नई दुकानें बनानी है। अगस्त 2024 में इस इमारत के कुछ हिस्से को तोड़ दिया था। इस प्रोजेक्ट को हाउसिंग बोर्ड और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से मंजूरी मिल चुकी है।

14 मार्च को होगा देवलिया स्मृति व्याख्यान

इस साल का देवलिया सम्मान दीप्ति चौरसिया को

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान एवं अलंकरण समारोह एवं व्याख्यान 14 मार्च को माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में सुबह 11 बजे से होगा। समारोह की मुख्य अतिथि महापौर मालती राय होंगीं। व्याख्यान का विषय है- पत्रकारिता में महिलाओं की चुनौतियां । मुख्य वक्ता होंगी देश की जानी मानी पत्रकार दैनिक हिन्दुस्तान की सलाहकार सम्पादक एवं पत्रिका नंदन की सम्पादक जयंती रंगनाथन । समारोह की अध्यक्षता निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवटे करेंगी। सम्मान से वरिष्ठ पत्रकार दीप्ति चौरसिया को अलंकृत किया जाएगा। भुवनभूषण देवलिया स्मृति व्याख्यानमाला समिति के अशोक मनवानी ने बताया कि यह समिति का 15 वां वार्षिक आयोजन है। इस वर्ष का आयोजन नारी सशक्तिकरण को समर्पित है। मंच पर मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, अध्यक्षता, सम्मानित पत्रकार, विषय प्रवर्तक और मंच संचालन महिलाएँ ही करेंगी। श्री मनवानी ने बताया कि व्याख्यान मौजूदा समय के सर्वाधिक चर्चित मुद्दे या पत्रकारिता के लिए महत्वपूर्ण विषय पर केन्द्रित होता है। समिति राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान अलंकरण में सम्मान स्वरूप 11 हजार रूपए एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान करती है। पत्रकारों का यह आयोजन पत्रकारों और पत्रकारिता के लिए मंच प्रदान करता है। इसमें पत्रकारिता के अलावा सामाजिक चेतना के सभी क्षेत्रों के लोग शामिल होते हैं।

सतीशचंद्र श्रीवास्तव के लघुकथा संग्रह 'परदेशिया' का लोकार्पण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार और लघुकथा लेखक सतीशचंद्र श्रीवास्तव के लघुकथा संग्रह 'परदेशिया' का लोकार्पण विगत दिवस हिंदी भवन नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित किया गया था। वरिष्ठ लघुकथाकार डॉ. अशोक भाटिया ने अध्यक्षता की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में अतुल प्रभाकर, लक्ष्मी शंकर वाजपेई, सुभाष चन्दर, डॉ. बलराम अग्रवाल उपस्थित थे।अतिथियों ने संग्रह की लघुकथाओं को समय की नब्ज पकड़ने एवं अपने समकाल को रेखांकित करने वाली बताते हुए लेखक को इस नवीन संग्रह हेतु बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन लघुकथा शोध केंद्र समिति के महासचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। आयोजन में स्वागत उदबोधन केंद्र की निदेशक कांता राय ने देते हुए मंचस्थ अतिथियों का शॉल श्रीफल भेंटकर स्वागत किया। दिल्ली शाखा की अध्यक्ष अंजू खरबन्दा ने आभार प्रकट किया। आयोजन में बड़ी संख्या में सुधि साहित्यकार उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर जल जीवन मिशन, शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं को लेकर हुई समीक्षा बैठक

गुणवत्ता में कमी या लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल संभाग की विकास योजनाओं और शासकीय नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयुक्त कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक हुई। अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधायक दक्षिण पश्चिम भोपाल भगवानदास सबनानी, सांची विधायक प्रभुराम चौधरी, शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा सहित अन्य जिलों से सभी विधानसभाओं के विधायक भी वीसी के माध्यम से जुड़े। बैठक में भोपाल सहित सभी जिलों के कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विभागों के अधिकारी व्हीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नल-जल योजना और जल जीवन मिशन सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा योजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। गुणवत्ता में कमी या लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। स्वास्थ्य, शिक्षा और आंगनबाड़ियों की हो सघन निगरानी- श्री शुक्ला ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालयों और आंगनवाड़ियों के संचालन की नियमित निगरानी की जाए।

उन्होंने विशेष रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों की व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की कमी या अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में अमृत-2.0 योजना के निर्माण कार्यों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी से जुड़ी समस्याओं, पेयजल आपूर्ति और जनप्रतिनिधियों से समन्वय के संबंध में चर्चा हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

हटा में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में शामिल हुए सीएम

दमोह। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जहां बेटियां जन्म से लेकर आजीवन पूजी जाती हैं, वह सिर्फ़ और सिर्फ़ अपना मध्यप्रदेश ही है। नारी सदैव पूजनीय हैं। हम अपने देश को भी जननी मानकर भारत माता की जय कहकर पूजते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेटियों और महिलाओं के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार की योजनाएं महिलाओं के जीवन में हर कदम पर पक्की सहेली बनकर उनके साथ खड़ी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दमोह जिले के हटा में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन सह शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के कारण प्रदेश के लिंगानुपात में व्यापक सुधार हुआ है। साथ ही बेटियों के प्रति समाज की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहनों की प्रगति और आशीर्वाद से ही प्रदेश में समृद्धि आ रही है।

कैशलेस हेल्थ स्कीम सहित चौथा समयमान वेतनमान मुख्य मांगें

मंत्रालय के कर्मचारी फिर लामबंद बड़े आंदोलन की कर रहे हैं तैयारी

» राजभवन-विधानसभा के कर्मचारी भी हो सकते हैं शामिल

दमोह, दोपहर मेट्रो

चौथा समयमान वेतनमान, स्थायीकर्मियों को सातवां वेतनमान नहीं दिए जाने और कर्मचारियों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू नहीं होने के विरोध में मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। यह आंदोलन 19 सूत्रीय मांगों को लेकर किया जाएगा। मंत्रालय के साथ-साथ विधानसभा और राजभवन के कर्मचारियों से भी इसमें शामिल होने की अपील की जाएगी। मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने बताया कि मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारियों की कई न्यायोचित मांगें लंबे समय से लंबित हैं। कई बार ज्ञापन देने और चर्चा के बावजूद अधिकारियों द्वारा समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया। इसी के चलते संघ की कार्यकारिणी समिति की आपात बैठक में आंदोलन का निर्णय लिया गया है।

मंत्रालय में 2020 के आदेश का पालन नहीं

नायक के अनुसार प्रदेश के अन्य विभागों में चौथा समयमान वेतनमान लागू किया जा चुका है, लेकिन मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी अब भी इससे वंचित हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने 9 मार्च 2020 को सभी विभागों को निर्देश दिए थे कि राज्य प्रशासनिक सेवा की तर्ज पर समयमान वेतनमान के साथ उच्च पदनाम देकर पदोन्नति का समाधान निकाला जाए। इन निर्देशों के अनुसार कोष एवं लेखा, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य और जनजातीय कार्य विभाग में कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग ने ही पांच साल बाद भी अपने निर्देशों का पालन नहीं किया।

कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना अब तक लागू नहीं

संघ अध्यक्ष ने कहा कि कर्मचारियों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर कई बार बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन इसे अब तक लागू नहीं किया गया है, जबकि इससे शासन पर कोई अतिरिक्त व्यय भार भी नहीं आएगा। इसके अलावा स्थायीकर्मियों को अभी तक सातवां वेतनमान नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि आउटसोर्स कर्मचारियों के काम के घंटे, अवकाश और पद के अनुरूप न्यूनतम वेतन का भी पालन नहीं किया जा रहा है। मंत्री स्थापना और मंत्रालय स्थापना में कार्यरत आकस्मिकता निधि कर्मचारियों को नियमित करने के लिए आयोजित परीक्षा का परिणाम तीन साल बाद भी घोषित नहीं हुआ है और न ही दूसरी परीक्षा कराई गई है। इसके अलावा केंद्र सरकार की तर्ज पर 25 वर्ष में पूर्ण पेंशन योग्य सेवा का प्रावधान भी लागू नहीं किया गया है।

अन्य संगठनों से भी आंदोलन में शामिल होने की चर्चा

इन सभी मुद्दों सहित 19 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन किया जाएगा। नायक ने बताया कि मंत्रालय के शीघ्रलेखक संघ और अजाक्स संगठन से भी आंदोलन में शामिल होने के लिए बातचीत की जा रही है। विधानसभा, विधि विभाग और राजभवन के कर्मचारियों को भी चौथा समयमान वेतनमान नहीं मिला है, इसलिए उनसे भी आंदोलन में शामिल होने की अपील की गई है।

जल्द घोषित की जाएंगी आंदोलन की तिथियां

उन्होंने कहा कि आंदोलन के चरण और तिथियां जल्द घोषित की जाएंगी। आंदोलन की सूचना सामान्य प्रशासन विभाग और मुख्य सुरक्षा अधिकारी को दे दी गई है।

336 अस्पतालों के आयुष्मान योजना से बाहर होने की आशंका

NABH फाइनल लेवल अनिवार्य होते ही एजेंट सक्रिय, अस्पतालों को दो-ढाई लाख के पैकेज का ऑफर

दमोह, दोपहर मेट्रो

आयुष्मान योजना में निजी अस्पतालों के लिए NABH फाइनल लेवल सर्टिफिकेट अनिवार्य किए जाने के फैसले के बाद नया विवाद सामने आया है। नर्सिंग होम एसोसिएशन का दावा है कि इस फैसले के बाद निजी कंपनियां और एजेंट सक्रिय हो गए हैं। ये एजेंट अस्पतालों में पहुंचकर NABH सर्टिफिकेट दिलाने के नाम पर दो से ढाई लाख रुपए तक के पैकेज ऑफर कर रहे हैं। इसमें आवेदन से लेकर कागजी प्रक्रिया और सर्टिफिकेट दिलाने तक की जिम्मेदारी लेने की बात कही जा रही है। एसोसिएशन ने इसे गंभीर मामला बताते हुए सरकार के फैसले का विरोध किया है और कोर्ट जाने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

नर्सिंग होम एसोसिएशन की बुधवार को हुई बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में बताया गया कि आयुष्मान योजना में NABH फाइनल लेवल की अनिवार्यता लागू होते ही कई निजी कंपनियां और एजेंट सक्रिय हो गए हैं। ये एजेंट सीधे अस्पताल संचालकों से संपर्क कर रहे हैं और NABH सर्टिफिकेट दिलाने का भरोसा दे रहे हैं। इसके लिए वे दो से ढाई लाख रुपए तक का पैकेज बता रहे हैं। इस पैकेज में आवेदन करने, जरूरी दस्तावेज तैयार कराने और पूरी प्रक्रिया पूरी कर सर्टिफिकेट दिलाने की जिम्मेदारी लेने की बात कही जा रही है।

चार बड़े शहरों के अस्पतालों पर सबसे ज्यादा असर

सरकार का यह नियम फिलहाल मध्यप्रदेश के चार बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के निजी अस्पतालों पर लागू किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक इन शहरों में कुल 395 निजी अस्पताल आयुष्मान योजना से जुड़े हैं। इनमें से 212 अस्पताल पिछले करीब पांच साल से NABH के एंट्री लेवल सर्टिफिकेट पर ही काम कर रहे हैं। वहीं, केवल 59 अस्पतालों के पास ही फुल ह्वक्रा सर्टिफिकेट है। ऐसे में करीब 336 अस्पतालों के योजना से बाहर होने की स्थिति बन सकती है।

अस्पतालों को मिला 15 दिन का अतिरिक्त समय

स्थिति को देखते हुए आयुष्मान कार्यालय ने सभी अस्पताल संचालकों को एक ई-मेल भेजा है। इसमें ह्वक्रा सर्टिफिकेट के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। अब जिन अस्पतालों ने 31 मार्च तक NABH सर्टिफिकेट नहीं कराया है, उन्हें 15 अप्रैल तक का समय दिया गया है। इसके बाद 16 अप्रैल के बाद स्टेट हेल्थ अथॉरिटी इस पूरे मामले की समीक्षा करेगी और आगे का निर्णय लिया जाएगा। इस फैसले के विरोध में नर्सिंग होम एसोसिएशन ने कोर्ट जाने का फैसला किया है। एसोसिएशन का कहना है कि इतने कम समय में सभी अस्पतालों के लिए ह्वक्रा फाइनल लेवल हासिल करना संभव नहीं है।

अपने हिसाब से नियम तैयार करेगी राज्य सरकार

प्रदेश में अक्टूबर-नवंबर से लागू हो सकती है वीबी जी रामजी योजना

दमोह, दोपहर मेट्रो

मनरेगा की जगह शुरू होने जा रही विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी वीबी जी रामजी योजना प्रदेश में इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर से प्रारंभ हो सकती है। इसके लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तैयारियों में जुटा है। तैयारियों के संबंध मेंदिल्ली में बैठक होने जा रही है, जिसमें सभी राज्यों से तैयारियों के संबंध में पूछा जाएगा। पंचायतों के बारे में जानकारी भी साझा की जाएगी, जिससे केंद्र सरकार राज्य को अनुदान के संबंध में नीति बना सके।

बता दें कि वीबी जी रामजी विधेयक संसद से पारित हो गया है। इसकी अधिसूचना अप्रैल या मई में जारी हो सकती है। इसके बाद राज्य सरकार अपने नियम बनाएगी, जो विधानसभा से पारित होंगे। इसमें लगभग छह माह का समय लगेगा। यह भी बता दें कि योजना में राज्य सरकारों को विकल्प दिया गया है कि वह केंद्र के नियम उसी रूप में स्वीकार कर लें या अपने अनुसार बदलाव कर लें। हर राज्य की परिस्थितियां अलग-अलग हैं।

उदाहरण के तौर पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र, श्रमिकों की संख्या, मनरेगा के अंतर्गत हुए काम, विकास कार्यों को लेकर राज्य सरकार की प्राथमिकता आदि। इन आधारों पर राज्य सरकार नियमों में कुछ परिवर्तन कर सकती है। विधानसभा से पारित होने के बाद इसे अमल में लाया जाएगा। अधिसूचना जारी होने के बाद सबसे पहले संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

काम के आधार पर तीन श्रेणियों में बंटेंगी पंचायतें

अगले चरण में पंचायतों को तीन श्रेणियों में बांटा जाएगा। पहली वह पंचायतें जिनमें मनरेगा में कम काम हुआ है, उन्हें प्राथमिकता में रखकर वहां अधिक काम कराया जाएगा। इसके बाद मध्यम स्तर की ग्राम पंचायतें और तीसरी ऐसी पंचायतें होंगी जिन पर बहुत अधिक काम हो चुका है, वहां अब ज्यादा काम की आवश्यकता नहीं है। इस तरह सभी जगह समान रूप से विकास होगा। मनरेगा में कुछ ग्राम पंचायतों में बहुत अधिक तो कुछ में बहुत कम काम हुआ है।

मप्र के निर्यातकों पर मिडिल ईस्ट की अशांति का असर, 500 डॉलर तक बढ़ा कंटेनर भाड़ा

इंदौर। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध से पश्चिम एशिया में उपजी अशांति का असर मध्य प्रदेश के निर्यातकों पर भी पड़ने लगा है। शिपिंग कंपनियों ने माल भाड़े में 25 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है। पूर्व में हो चुके सौदों को पूरा करने के चक्कर में कंपनियों का घाटा बढ़ता दिख रहा है। हर कंटेनर पर अब माल भेजने वाली कंपनियों को 300 से 500 डॉलर तक ज्यादा भाड़ा चुकाना पड़ रहा है। युद्ध यदि लंबा चला तो क्षेत्र से होने वाले निर्यात में भी गिरावट की आशंका बन रही है। इसी सप्ताह शिपिंग कंपनियों ने कंटेनर का भाड़ा बढ़ाने की घोषणा की। यूरोप के लिए 20 फीट और 40 के कंटेनरों का भाड़ा 1500 से 1600 डॉलर कर दिया गया है। भाड़े में 300 से 400 डॉलर की वृद्धि की गई है। अमेरिका के लिए कंटेनर भाड़ा 2500 से 3000 डॉलर और अफ्रीका के बंदरगाह के लिए 3000 से 4000 डॉलर कर दिया गया है।

1 अप्रैल से सांदीपनि स्कूलों के नए भवनों में शुरू होंगी कक्षाएं

300 छोटे स्कूल होंगे बंद, सांदीपनि स्कूल में किया जाएगा मर्ज, लॉटरी से होगा चयन

दमोह, दोपहर मेट्रो

प्रदेश भर के सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया 23 मार्च से शुरू हो रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश दिया है जिन विद्यालयों को नए भवन में शिफ्ट किया गया है, उनको एक से तीन किमी के दायरे में कम नामांकन संख्या वाले छोटे स्कूलों के सभी विद्यार्थियों को प्रवेश देना है। ऐसे नए बने 97 विद्यालयों में 300 छोटे स्कूलों को मर्ज करने की योजना है। प्रदेश में कुल 274 सरकारी स्कूलों को सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय के रूप में विकसित किया गया है।

इनमें से 161 स्कूलों का भवन निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इनमें 97 स्कूल नए भवनों में शिफ्ट हो चुके हैं, जबकि 64 स्कूलों के भवनों का लोकार्पण अभी बाकी है। जिन विद्यालयों को नए भवनों में स्थानांतरित कर दिया गया है, वहां आसपास के छोटे स्कूलों के विद्यार्थियों को भी प्रवेश देने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत प्रदेश के 300 से अधिक ऐसे प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल, जिनमें विद्यार्थियों की संख्या काफी कम है, उन्हें बंद किया जाएगा। इन स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों को नजदीकी सांदीपनि विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं मिल सकें। विभाग का लक्ष्य है कि मार्च माह तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि एक अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित हो सकें।

राजधानी के 11 स्कूलों के बच्चे होंगे शिफ्ट

राजधानी में भी इस योजना के तहत दो सांदीपनि विद्यालयों में आसपास के स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। इन दोनों विद्यालयों में करीब 11 स्कूलों के लगभग 160 विद्यार्थियों को स्थानांतरित किया गया है। इन स्कूलों में प्रवेश लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। इसके बाद बची हुई सीटों पर अन्य विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। भोपाल में रशीदिया सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य केडी श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में अभी प्रारंभिक सीटें 25 हैं, जिन्हें इस वर्ष बढ़ाकर दोगुना किया जाएगा। कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय की प्राचार्य संगीता सक्सेना ने बताया कि नए भवन बनने के बाद सात स्कूलों के करीब 100 विद्यार्थियों को यहां प्रवेश दिया गया है। वहीं सांदीपनि विद्यालय बर्रई में भी चार स्कूलों के करीब 60 बच्चों को स्थानांतरित किया गया है।

नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को

बिजली चोरी के 10 लाख तक के लंबित प्रकरणों के होंगे समझौते

भोपाल । आगामी 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने हेतु अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर

कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद प्रत?येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

मेट्रो एंकर

इंदौर के भागीरथपुरा कांड के बाद बढ़ी चिंता

पेट ही नहीं किडनी की सेहत भी खराब कर रहा है दूषित पानी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर शहर में दूषित पानी की समस्या केवल पेट के संक्रमण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह किडनी से जुड़े गंभीर रोगों का भी कारण बन रही है। हाल ही में भागीरथपुरा में हुए दूषित जल कांड ने इस खतरे को और स्पष्ट कर दिया है।

इस घटना में जिन 36 लोगों की मौत हुई, इनमें किडनी से जुड़ी गंभीर समस्याएं सामने आई थीं। वहीं जिन मरीजों का उपचार हुआ, उनमें भी किडनी में संक्रमण पाया गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक लगातार दूषित पानी पीने से शरीर में बैक्टीरिया और विषैले तत्व पहुंचते हैं, जो धीरे-धीरे किडनी को नुकसान पहुंचाते हैं। अस्पतालों में आने वाले किडनी रोगियों में करीब 10 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं, जिन्हें दूषित पानी के कारण रोग हुआ है।

शुरुआती संक्रमण का इलाज संभव है, लेकिन समय पर उपचार न मिलने पर यह स्थिति गंभीर हो सकती है। इसके अलावा लोग अभी भी बिना डाक्टर की सलाह से मेडिकल से दवाई लेते हैं, जिसके कारण भी किडनी पर असर होता है। यह किडनी रोग होने का एक बड़ा कारण है। विशेषज्ञों के मुताबिक दूषित पानी में मौजूद बैक्टीरिया जैसे कोलेरा और ई-कोलाई शरीर में प्रवेश कर आंतों में संक्रमण करते हैं। कई मामलों में यह संक्रमण खून के माध्यम से किडनी तक पहुंच जाता है और वहां सूजन या संक्रमण पैदा कर देता है। यदि मरीज समय पर इलाज नहीं कराता तो यह संक्रमण किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित करने लगता है। किडनी धीरे-धीरे काम करना बंद कर देती है। स्थिति गंभीर होने पर मरीज को डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती है।

90 प्रतिशत मरीज रहते हैं अनजान

किडनी की बीमारी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसके लक्षण बहुत देर से सामने आते हैं। लगभग 90 प्रतिशत मरीजों को शुरुआत में यह पता ही नहीं चलता कि उनकी किडनी प्रभावित हो रही है। जब तक थकान, सूजन, भूख कम लगना या पेशाब में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तब तक बीमारी काफी बढ़ चुकी होती है।

हजारों मरीज ट्रांसप्लांट के इंतजार में

इंदौर में किडनी से जुड़े गंभीर मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शहर में अब तक 88 किडनी डोनेशन हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद तीन हजार से अधिक मरीज ट्रांसप्लांट के इंतजार में हैं। अंगदान को लेकर भी लोगों में अभी जागरूकता की कमी है। विशेषज्ञों के मुताबिक किडनी को सुरक्षित रखने के लिए सबसे जरूरी है कि लोग साफ और सुरक्षित पानी का ही सेवन करें। यदि किसी क्षेत्र में पानी की गुणवत्ता संदिग्ध हो तो उसे उबालकर या फिल्टर करके पीना चाहिए।

एलपीजी संकट : चाहिए संतुलित दृष्टिकोण

ईरान और इजराइल - अमेरिका के बीच पिछले दस दिनों से जारी युद्ध के आसार दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं और इसी के चलते देश- दुनिया में कच्चे तेल समेत रसोई गैस का संकट गहराने लगा है। चूंकि भारत की सबसे ज्यादा एलपीजी गैस कतर से आती है और खाड़ी के इस देश ने सप्लाई बंद कर दी है, इसलिए हमारे देश में भी रसोई गैस की किल्लत होने की आशंका जताई जाने लगी है। पिछले दिनों घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 60 रुपए की और व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमत में 114 रुपए की वृद्धि की गई है। हालांकि सरकार का कहना है कि घरेलू जरूरतों के लिए एलपीजी गैस की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रहेगी, फिर भी सिलेंडरों की जमाखोरी रोकने के लिए सरकार ने गैस बुकिंग का समय 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है। साथ ही घरेलू एलपीजी को बचाने के लिए सरकार ने रिफाइनरियों को ज्यादा प्रोडक्शन करने के ऑर्डर भी दिए हैं। चूंकि देश में एलपीजी गैस की कुल खपत का 60 प्रतिशत विदेशों मुख्य रूप से मध्य-पूर्व के देशों से आयात किया जाता है और युद्ध के चलते यह आयात फिलहाल ठप है, इसलिए जाहिर है कि गैस आपूर्ति पर असर तो पड़ेगा ही। इसीलिए सरकार ने एलपीजी गैस आपूर्ति पर एस्मा (आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम) लागू कर दिया है। यह एक ऐसा कानून है जिसका उपयोग सरकार आवश्यक सेवाओं (जैसे रसोई गैस, पानी, बिजली) की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए करती है और इसका उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। जाहिर है कि घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारु रखने और जमाखोरी रोकने के लिए इस तरह के उपाय जरुरी हैं। लेकिन घरेलू आपूर्ति अबाधित रखने के लिए व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति लगभग ठप कर दी गई है, जिससे होटलों और रेस्टोरेंटों पर बंद होने का खतरा मंडराने लगा है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे शहरों में इस संकट का असर स्पष्ट दिखने लगा है। मुंबई में लगभग 20 प्रतिशत होटल और रेस्टोरेंट्स पहले ही बंद हो चुके हैं और स्थिति नहीं सुधरने पर अगले 2-3 दिनों में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने भी गैस आपूर्ति रुकने के कारण होटल बंद करने की चेतावनी दी है। जाहिर है कि इसका असर भी आम आदमी पर ही पड़ेगा, क्योंकि पढ़ाई और रोजगार के सिलसिले में सभी बड़े शहरों में लोग देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचते हैं। इसलिए गैस वितरण में संतुलन साधने की जरूरत है ताकि न तो घरेलू आपूर्ति प्रभावित हो और न होटलों पर ही बंद होने की नौबत आए।

दांडी मार्च के 96 साल

ऐतिहासिक दांडी पदयात्रा , भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का स्वर्णिम अध्याय

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की दृष्टि से 12 मार्च 1930 का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। जैसा कि इसी दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गुजरात के साबरमती आश्रम से दांडी नामक स्थान तक लगभग 390 किलोमीटर (241 मील) की ऐतिहासिक पदयात्रा शुरू की थी। गौरतलब है कि इस आंदोलन को दांडी मार्च, नमक मार्च या दांडी सत्याग्रह कहा जाता है। वास्तव में, यह ब्रिटिश/अंग्रेजी सरकार के अन्यायपूर्ण नमक कानून के खिलाफ किया गया एक अहिंसक सविनय अवज्ञा आंदोलन था।

इस यात्रा में शुरुआत में केवल 78 सत्याग्रही शामिल थे (कुछ स्रोतों में 79 का भी उल्लेख मिलता है), लेकिन रास्ते में हजारों लोग इस आंदोलन से जुड़ते गए। गांधीजी की आयु उस समय 61 वर्ष थी, फिर भी वे 24 दिनों तक प्रतिदिन लगभग 16 से 19 किलोमीटर पैदल चलते रहे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गांधीजी के मार्च शुरू करने से पहले ही उनके प्रमुख सहयोगी और रणनीतिकार सरदार वल्लभभाई पटेल को 7 मार्च 1930 को ब्रिटिश सरकार ने गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, अंग्रेजी सरकार को यह आशंका थी कि पटेल की संगठनात्मक क्षमता इस आंदोलन को और भी व्यापक बना सकती है। नमक को इस आंदोलन का प्रतीक बनाया गया क्यों कि उस समय ब्रिटिश सरकार ने नमक के उत्पादन और उसकी बिक्री पर जहां एक ओर कर(टैक्स) लगा रखा था वहीं पर दूसरी ओर उस पर एकाधिकार(मोनोपॉली) भी था। नमक आम जन की रोजमर्रा जिंदगी का अहम् हिस्सा था और आम जनता को नमक के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ती थी, जो कभी-कभी उसके वास्तविक मूल्य से 14 गुना तक अधिक हो जाती थी। जानकारी तो यह भी मिलती है कि सरकार उस नमक को भी नष्ट कर देती थी, जिसे वह ऊंचे दाम पर बेच नहीं पाती थी, ताकि लोग उसे मुफ्त में न उठा सकें। गांधीजी ने नमक को आंदोलन का प्रतीक इसलिए चुना, क्योंकि नमक हर गरीब-अमीर की दैनिक आवश्यकता है। इस साधारण विषय के माध्यम से उन्होंने पूरे देश की जनता को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ दिया। हालांकि, शुरुआत में कांग्रेस के कुछ नेताओं को यह मुद्दा बहुत ही छोटा लगा और उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन बाद में यही आंदोलन पूरे देश में फैल गया।

इतिहास के अध्ययन से पता चलता है कि लगभग 24 दिनों की यात्रा के बाद 6 अप्रैल 1930 को गांधीजी गुजरात के तटीय गांव दांडी पहुँचे। वहां उन्होंने समुद्र तट पर पड़ी नमक-मिश्रित मिट्टी उठाकर ब्रिटिश नमक कानून का सांकेतिक रूप से उल्लंघन किया। वास्तव में उन्होंने नमक बनाया नहीं था, बल्कि मिट्टी और नमक के मिश्रण को उठाकर कानून तोड़ा था। पाठकों को बताता चलूं कि दांडी में गांधीजी द्वारा बनाए गए चुटकी भर नमक की उस समय नीलामी हुई, जो 1600 रुपये में बिका था। आज के मूल्य के अनुसार यह राशि लाखों रुपये के बराबर मानी जाती है। दांडी मार्च के बाद पूरे देश में नमक कानून तोड़ने की जैसे लहर-सी फैल गई थी। लाखों लोग सविनय अवज्ञा आंदोलन से जुड़ गए और ब्रिटिश शासन के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सरकार ने इस आंदोलन को दबाने के लिए 60,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। यह भी उल्लेखनीय है कि 5 मई 1930 को गांधीजी को भी गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन फिर भी यह आंदोलन जारी रहा। बाद में कवयित्री और महान् स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू ने 21 मई 1930 को लगभग 2500 सत्याग्रहियों का नेतृत्व करते हुए बंबई से लगभग 150 मील उत्तर स्थित धरासना नमक कारखाने पर सत्याग्रह किया।

दांडी मार्च को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में अमेरिकी पत्रकार वेब मिलर की बड़ी व महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने धरासना सत्याग्रह के दौरान सत्याग्रहियों पर हुए पुलिस के क्रूर लाठीचार्ज की रिपोर्टिंग दुनिया भर में भेजी, जिससे ब्रिटिश सरकार की वैश्विक स्तर पर कड़ी आलोचना हुई। इस आंदोलन के कारण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पहली बार पश्चिमी मीडिया की प्रमुख सुर्खियों में आया। इसी वर्ष 1930 में टाइम मैगज़ीन ने गांधीजी को मैन आफ द इयर घोषित किया और उनकी तुलना एक संत से की। बहरहाल, यहां यह भी गौरतलब है कि धरासना सत्याग्रह 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान हुआ एक महत्वपूर्ण अहिंसक आंदोलन था और महात्मा गांधी की गिरफ्तारी के बाद इसका नेतृत्व सरोजिनी नायडू और अब्बास तैयबजी ने किया था। सत्याग्रहियों ने गुजरात के धरासना नमक कारखाने की ओर शांतिपूर्ण मार्च किया, लेकिन ब्रिटिश पुलिस ने निहत्थे लोगों पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया। इसके बावजूद सत्याग्रही अहिंसा पर डटे रहे। इस घटना ने ब्रिटिश शासन की कठोरता को दुनिया के सामने उजागर किया और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति बढ़ाई।

आंदोलन के दबाव के कारण ब्रिटिश सरकार को अंततः भारतीय नेताओं से बातचीत करनी पड़ी। जनवरी 1931 में गांधीजी को जेल से रिहा किया गया और उन्होंने भारत के वायसराय लार्ड इरविन से बातचीत की। इसके परिणामस्वरूप गांधी-इरविन समझौता हुआ, जिसके तहत सविनय अवज्ञा आंदोलन को अस्थायी रूप से समाप्त किया गया तथा इसके बाद गांधीजी ने अगस्त 1931 में लंदन में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। हालांकि, यह सम्मेलन बहुत सफल नहीं रहा, फिर भी ब्रिटिश सरकार ने गांधीजी को एक ऐसी शक्ति के रूप में स्वीकार कर लिया, जिसे न तो दबाया जा सकता था और न ही नजरअंदाज किया जा सकता था। अंत में, निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि दांडी मार्च भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक युगांतरकारी घटना साबित हुई। कहना ग़लत नहीं होगा कि नमक जैसे साधारण मुद्दे ने जाति, धर्म और वर्ग की सभी दीवारों को तोड़कर पूरे देश को एकजुट कर दिया था। वास्तव में, इस आंदोलन ने गांधीजी के अहिंसक प्रतिरोध और सत्याग्रह के सिद्धांत को वैश्विक पहचान दिलाई और ब्रिटिश साम्राज्य की नैतिक नींव को गहरा झटका दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो, गांधी जी के दांडी मार्च ने भारतीयों में आज़ादी के प्रति अटूट विश्वास और संघर्ष की नई ऊर्जा भर दी थी तथा यह संकेत दे दिया था कि देश की स्वतंत्रता अब दूर नहीं रही।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

डिजिटल युग में अभिव्यक्ति, फॉलोवर्स की भूख और रिश्तों की नीलामी

डॉ सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के नए दरवाजे खोले हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात दुनिया तक पहुँचाने का अवसर दिया है। पहले जहां सूचना और मनोरंजन के साधन सीमित थे, वहीं आज कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन के जरिए वीडियो बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है और लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। यह बदलाव लोकतांत्रिक भी है और प्रेरणादायक भी। लेकिन हर बदलाव के साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी जन्म लेती हैं।

आज सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रियता की एक नई परिभाषा बन चुकी है—फॉलोअर्स, लाइक्स, शेयर और व्यूज़। जितने ज्यादा ये आंकड़े होते हैं, उतना ही किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है। इसी होड़ ने कई कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसी राह पर ला खड़ा किया है, जहां निजी जीवन की मर्यादाएं भी कंटेंट का हिस्सा बनती जा रही हैं। बीते कुछ वर्षों में एक नया ट्रेंड तेजी से उभरा है—पारिवारिक झगड़ों और निजी विवादों को कैमरे के सामने लाकर सोशल मीडिया पर साझा करना। पति-पत्नी के विवाद, भाई-बहन के मतभेद, सास-बहू की तकरार या परिवार के अंदर की छोटी-छोटी बहसें—जो पहले घर की चारदीवारी में सुलझा ली जाती थीं—अब वीडियो और पोस्ट के रूप में लाखों दर्शकों के सामने परोसी जा रही हैं। कई यूट्यूबर्स और ब्लॉगर इसे 'रियल लाइफ कंटेंट' का नाम देते हैं। उनका तर्क होता है कि दर्शक वास्तविकता देखना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर वास्तविक घटना को सार्वजनिक करना जरूरी है? क्या निजी रिश्तों को दर्शकों की जिज्ञासा के लिए खोल देना उचित है? असल में सोशल मीडिया का एल्गोरिथ्म भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। जिस कंटेंट में विवाद, भावनात्मक प्रतिक्रिया या सनसनी होती है, वह तेजी से वायरल होता है। लोग ऐसे वीडियो पर ज्यादा कमेंट करते हैं, अपनी राय देते हैं और कभी-कभी पक्ष या विपक्ष में बहस भी करते हैं। यही कारण है कि कुछ क्रिएटर्स जानबूझकर ऐसे विषय चुनते हैं जो लोगों की भावनाओं को भड़का सकें।

दुर्भाग्य की बात यह है कि कई बार ये झगड़े वास्तविक होते हैं और परिवार के सदस्यों की निजता दांव पर लग जाती है। एक छोटी सी तकरार को कैमरे के सामने लाकर बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है। इससे न केवल रिश्तों की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों—विशेषकर बच्चों—पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। कुछ मामलों में तो यह भी देखने में आया है कि विवादों को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है या फिर पूरी तरह से स्क्रिप्टेड होता है। यानी झगड़ा असली नहीं होता, लेकिन उसे असली दिखाने की कोशिश की जाती है ताकि दर्शकों का ध्यान खींचा जा सके। यह स्थिति मनोरंजन और वास्तविकता के बीच की रेखा को धुंधला कर देती है। सोशल मीडिया के इस दौर में 'वायरल' होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। जब किसी वीडियो को लाखों व्यूज़ मिलते हैं और हजारों नए फॉलोअर्स जुड़ते हैं, तो क्रिएटर को लगता है कि उसने सही रास्ता चुना है। लेकिन यह लोकप्रियता अक्सर क्षणिक होती है। जिस विवाद ने एक दिन दर्शकों का ध्यान खींचा, वही अगले दिन किसी और नए विवाद से दब जाता है। इस प्रवृत्ति का एक सामाजिक पहलू भी है। जब दर्शक बार-बार ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो धीरे-धीरे उन्हें यह सामान्य लगने लगता है कि निजी रिश्तों को सार्वजनिक मंच पर लाकर चर्चा का विषय बनाया जाए। इससे समाज में गोपनीयता और मर्यादा की भावना कमजोर पड़ सकती है।

हमारे समाज में परिवार को हमेशा एक मजबूत संस्था माना गया है। परिवार केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और आपसी समझ का आधार भी है। जब परिवार के अंदर की समस्याओं को सार्वजनिक तमाशा बना दिया जाता है, तो यह उस भरोसे को कमजोर करता है जो रिश्तों की नींव होता है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर आने वाले दर्शकों में बड़ी संख्या युवा और किशोरों की भी होती है। वे जो कुछ देखते हैं, उससे प्रभावित होते हैं। अगर वे बार-बार यह देखेंगे कि लोकप्रियता पाने के लिए निजी विवादों को सार्वजनिक करना सामान्य बात है, तो उनके मन में भी यही धारणा बन सकती है कि जीवन में सफलता के लिए किसी भी हद तक जाना स्वीकार्य है। यह भी सच है कि सभी कंटेंट क्रिएटर्स ऐसे नहीं होते। बहुत से यूट्यूबर्स, ब्लॉगर और डिजिटल क्रिएटर्स ऐसे भी हैं जो ज्ञानवर्धक, रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री प्रस्तुत करते हैं। शिक्षा, विज्ञान, कला, संस्कृति, यात्रा और सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले अनेक लोग सोशल मीडिया को एक सकारात्मक मंच के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उनके प्रयास यह साबित करते हैं कि लोकप्रियता पाने के लिए विवाद और ड्रामा ही एकमात्र रास्ता नहीं है।

अंततः यह याद रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक साधन है, लक्ष्य नहीं। इसका उपयोग ज्ञान, संवाद और सकारात्मक बदलाव के लिए किया जा सकता है। लेकिन जब यह केवल लोकप्रियता की अंधी दौड़ में बदल जाता है, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगते हैं। फॉलोअर्स और व्यूज़ की यह भूख अगर इसी तरह बढ़ती रही, तो कहीं ऐसा न हो कि एक दिन लोग लोकप्रिय तो हो जाएं, लेकिन अपने ही रिश्तों और मूल्यों से दूर हो जाएं। इसलिए समय रहते यह समझना जरूरी है कि सच्ची सफलता वही है, जो सम्मान और संवेदनशीलता के साथ हासिल की जाए—न कि रिश्तों की नीलामी करके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

'दिखावे की दुनिया है साहब, जहां फ़ायदा दिखेगा वहां जाएगी !'

– अज्ञात

हेल्थ अलर्ट

आयुर्वेदिक उपाय, पीलिया में रिकवरी को तेज करते हैं गिलोय-भूमि आंवला

आयुर्वेद की पढ़ाई में पीलिया को कमला रोग के नाम से पढ़ाया जाता है, जो कि पित्त दोष के बढ़ने से होता है। आयुर्वेद के विशेषज्ञ पीलिया के रोगी के लिए भूमि आंवला, गिलोय, पुनर्नवा जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों को फायदेमंद मानते हैं । यह उपाय पित्त दोष को संतुलित करके और लिवर को स्वस्थ बनाकर पीलिया में होने वाली रिकवरी को तेज करते हैं।आंखें, त्वचा और पेशाब में पीलापन आना, पीलिया के प्रमुख लक्षण माने जाते हैं। आयुर्वेदिक ग्रंथ कहते हैं कि अक्सर पांडु के बढ़ने पर कमला पीलिया रोग होता है। पांडु की स्थिति को शरीर में पीलेपन या एनीमिया से समझ सकते हैं, जिसमें बढ़ा हुआ पित्त ब्लड (रक्त) और प्लाज्मा (रस) को प्रभावित करने लगता है। जब यह अतिरिक्त पित्त शरीर में प्रवाहित होने लगता है तो मेटाबॉलिक प्रोसेस को बिगाड़ देता है और फिजियोलॉजिकल चैनल को ब्लॉक कर देता है। इससे ही शरीर का पीलापन बढ़ता है, जो पीलिया का प्रमुख लक्षण है। लक्षणों को स्टेज के मुताबिक बताया गया है। कमला रोग की शुरुआती स्टेज को कोष्टश्रिता कमला कहते हैं, जिसमें केवल लिवर और पाचन तंत्र जैसे आंतरिक अंग प्रभावित होते हैं। अगर इसके बाद भी पित्त का असंतुलन बना रहता है तो टॉक्सिन इंटरनल ऑर्गन के साथ पेरिफेरिल टिश्यू तक फैलने लगते हैं। इसके बाद ही पीलिया की एडवांस स्टेज आती है।

पीलिया से रिकवर करने के लिए : आयुर्वेद में बढ़े हुए पित्त को संतुलित करने, लिवर फंक्शन सुधारने, टॉक्सिन की सफाई करने और डायजेशन मजबूत करने की सलाह दी गई है। इन कामों में कई सारी पारंपरिक जड़ी बूटियां काम आती हैं।

भूमि आंवला: भूमि आंवला को भूमि आमलकी और भुई आंवला भी कहा जाता है। आयुर्वेद में इसे लिवर हेल्थ के लिए फायदेमंद माना गया है। यह जड़ी बूटी पीलिया में अतिरिक्त पित्त को कम करने और मेटाबॉलिक टॉक्सिन बाहर निकालने में मदद करती है। यह हेल्दी बाइल फ्लो में भी मदद करती है और ब्लड चैनल में बैलेंस लाती है। इसे पारंपरिक रूप से चूर्ण या ताजे रस के रूप में छाछ के साथ मिलाकर लिया जाता है। यह कमला रोग के शुरुआती चरण में लिवर के मेटाबॉलिक फंक्शन को सुधारने में कारगर मानी जाती है।

पुनर्नवा: पुनर्नवा में रिजुवेनेटिंग और डिटॉक्सिफाइंग प्रोपर्टीज होती हैं। यह हर्ब तरल के जमाव को घटाने और यूरिनरी सिस्टम के द्वारा अतिरिक्त पित्त को बाहर निकालने का काम करती है। पुनर्नवा आपके लिवर फंक्शन को मजबूत करती है और मेटाबॉलिक चैनल में सर्कुलेशन को बेहतर बनाती है। पीलिया की एडवांस स्टेज में इसका काढ़ा बनाकर सेवन किया जाता है, जिससे सूजन और फ्लूइड रिटेंशन में कमी आती है।

निशाना

निर्दोष सड़ेंगे जेलों में...!

सुशील कुमार साहू

गलत काम करेंगे,
गंदगी यहीं फैलाएँगे,
निर्दोष सड़ेंगे जेलों में
और गुनहगारों को रिहा कराएँगे
वे ऐसे ही कानून बनाएँगे।
लोगों को धर्म और जाति में बाँटकर
लोगों को आपस में लड़वाकर
राजनीति चमकाएँगे,
नफरत की आग भड़का कर
अपना सिंहासन बचाएँगे।
उनका क्या...
वे तो अरबपति हैं,अपने बच्चों को
विदेशों में पढ़ाएंगे और
एक दिन वे भी विदेश निकल जाएँगे,
और पीछे जलता हुआ
समाज हमें थमा जाएँगे।
यह गलती भी हमारी है
जो नेताओं को दे दी
इतनी सारी जिम्मेदारी है।
यह समाज हमारा है,
इसे बदलना भी
हमारी ही जिम्मेदारी है।
आओ थोड़ा आगे आएँ,
एक-दूसरे का हाथ बढ़ाएँ,
मिलकर कोशिश करें
और इस समाज को
थोड़ा बेहतर बनाएँ।
यह अपने घर की बात है और अपने
को ही बदलना अपने हालत है।

नॉलेज

अमेरिका को शक, देश में स्लीपर सेल्स एक्टिवेट कर रहा ईरान, चुपचाप करते हैं काम

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान, अमेरिका के भीतर स्लीपर सेल्स को ऐक्टिव करने की 'कोशिश' कर रहा है। ट्रंप ने कहा, 'हम इस पर पूरी नजर बनाए हुए हैं.' यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी खुफिया विभाग ने तेहरान से निकले कुछ एनक्रिप्टेड संदेशों को इंटरसेप्ट किया, जो इन गुप्त एजेंट्स के लिए 'ऑपरेशनल ट्रिगर' यानी कि कार्रवाई का संकेत हो सकते हैं।

स्लीपर सेल एक गुप्त नेटवर्क का हिस्सा होते हैं, जिसमें एक या कुछ लोग किसी टार्गेट किए हुए देश में जाकर बस जाते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य 'सामान्य दिखना' होता है। इनकी जीवनशैली भी स्थानीय नागरिकों की तरह होती है। ये लोग शादियां करते हैं, नौकरियां करते हैं और टैक्स भरते हैं। ये समाज में इस कदर घुल-मिल जाते हैं कि पड़ोसियों को भनक तक नहीं लगती। ये महीनों या सालों तक कोई भी संदिग्ध गतिविधि नहीं करते हैं। इनका मकसद तब तक स्लीप मोड में होना होता है जब तक कि उन्हें उनके आकाओं यानी हैंडलर्स की तरफ से कोई विशिष्ट 'ट्रिगर' या आदेश ना मिल जाए। आदेश मिलने पर ये अचानक ऐक्टिव होते हैं और हमले, बमबारी, हत्या या महत्वपूर्ण सूचनाएं चुराने जैसे कामों को अंजाम देते हैं।

जासूसों या एजेंट्स से अलग: स्लीपर सेल असल में सामान्य एजेंट्स से अलग होते हैं। हालांकि दोनों ही लोग गुप्त तरीके से काम करते हैं लेकिन इनके काम के तरीके में जमीन-आसमान का फर्क होता है। इनकी खासियत यह होती है कि सामान्य जासूस अक्सर सक्रिय रूप से जानकारी जुटा रहे होते हैं। जैसे दूतावासों में तैनात अधिकारी। वहीं स्लीपर सेल पूरी तरह से अदृश्य होते हैं और अपनी पहचान छिपाकर सामान्य नागरिक की तरह जीते हैं।

एजेंट्स के साथ जोखिम यह होता है कि पकड़े जाने पर राजनयिक छूट मिल सकती है या फिर अदला-बदली हो सकती है। इनका कार्यकाल निश्चित होता है और ये नियमित रिपोर्ट भेजते हैं। वहीं स्लीपर सेल को पकड़े जाने पर कोई सुरक्षा नहीं मिलती है। इन्हें अक्सर 'टेरर सेल' माना जाता है। ये अनिश्चित काल के लिए तैनात होते हैं और सालों तक सन्नाटे में रहकर काम कर सकते हैं।

स्लीपर सेल्स अपने हेडक्वार्टर के साथ लगातार संपर्क में रहते हैं। इनका काम मुख्य रूप से खुफिया जानकारी इकट्ठा करना और कूटनीति पर नजर रखना है। वहीं एजेंट्स संचार से बचते हैं। इनका संपर्क खास परिस्थितियों में तभी होता है जब उन्हें ऐक्टिव होना होता है। वो भी कोडवर्ड या एनक्रिप्टेड सिग्नल के जरिए। इनका काम मुख्य रूप से 'डायरेक्ट ऐक्शन' यानी कि हमला, तोड़फोड़ या अशांति फैलाना होता है।

अजब - गजब

दुनिया का सबसे रेयर ब्लड ग्रुप 'गोल्डन ब्लड', धरती पर चुनिंदा लोगों के पास !

इंसानी शरीर में खून जीवन के लिए बेहद जरूरी होता है। आमतौर पर लोगों में ए, बी, एबी और ओ जैसे ब्लड ग्रुप पाए जाते हैं, जो पॉजिटिव और नेगेटिव मिलाकर कुल आठ प्रकार के होते हैं। लेकिन इन सबके अलावा एक ऐसा भी ब्लड ग्रुप है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं. इसे गोल्डन ब्लड ग्रुप कहा जाता है।

दरअसल दुनिया की आबादी करीब 8 अरब है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में भी यह खास ब्लड ग्रुप बेहद कम लोगों में पाया जाता है। इस ब्लड ग्रुप का असली नाम ऋद्ध हृह्वद्य क्च्यश्शस्त्र तह्श्वह्वश्च है। यह उन लोगों में मिलता है जिनके शरीर में आरएच फैक्टर पूरी तरह अनुपस्थित होता है। यही वजह है कि इसे दुनिया का सबसे दुर्लभ ब्लड ग्रुप माना जाता है और इसी कारण इसे 'गोल्डन ब्लड' का नाम दिया गया है। एक शोध के अनुसार साल 2018 में जब दुनियाभर में इस ब्लड ग्रुप की खोज की गई तो पता चला कि केवल लगभग 45 लोग ही ऐसे हैं जिनके शरीर में यह खून मौजूद है। इनमें से भी बहुत कम लोग ही ब्लड डोनेट कर सकते हैं। इस ब्लड ग्रुप की खासियत यह है कि इसे लगभग किसी भी ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति को चढ़ाया जा सकता है, क्योंकि यह अन्य ग्रुप्स के साथ आसानी से मैच कर जाता है। हालांकि अगर किसी ऋद्ध हृह्वद्य व्यक्ति को खुद खून की जरूरत पड़ जाए तो उनके लिए उपयुक्त ब्लड मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। इस दुर्लभ ब्लड ग्रुप की खोज 1960 में हुई थी। इसके बाद से ही इसकी दुर्लभता के कारण इसे गोल्डन ब्लड कहा जाने लगा। बताया जाता है कि इस तरह का ब्लड ग्रुप अमेरिका, कोलंबिया, ब्राजील और जापान जैसे देशों में कुछ लोगों में पाया गया है। साथ ही यह ब्लड काफी महंगा भी होता है।

दरअसल ऋद्ध फैक्टर लाल रक्त कोशिकाओं की सतह पर मौजूद एक खास प्रकार का प्रोटीन होता है। यदि यह प्रोटीन मौजूद हो तो ब्लड ग्रुप ऋद्ध पॉजिटिव माना जाता है और अगर यह न हो तो ऋद्ध नेगेटिव कहा जाता है। लेकिन गोल्डन ब्लड वाले लोगों में यह प्रोटीन बिल्कुल नहीं पाया जाता, यानी उनका ऋद्ध फैक्टर पूरी तरह 'नल' होता है. यही कारण है कि यह ब्लड ग्रुप बेहद खास और दुर्लभ माना जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक जिन लोगों में गोल्डन ब्लड पाया जाता है, उनमें कभी-कभी एनीमिया की समस्या भी देखी जाती है। ऐसे लोगों को आयरन से भरपूर आहार लेने की सलाह दी जाती है। इस ब्लड ग्रुप में एंटीजन भी नहीं होते, इसलिए इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रांसपोर्ट करना भी आसान नहीं होता। कई मामलों में ऐसे लोगों का ब्लड सुरक्षित रखकर जरूरत पड़ने पर उन्हीं को वापस चढ़ाया जाता है।

आपदा बचाव और जनसुरक्षा को लेकर सेठानी घाट पर हुई मॉक ड्रिल

नागरिकों को बाढ़, भूकंप व आगजनी जैसी आपदाओं में बचाव करने के तरीके बताए

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा बचाव और जन सुरक्षा के लिए 9 मार्च से 7 दिवसीय आपदा प्रबंधन जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य आमजन को बाढ़, भूकंप और आगजनी जैसी आपदाओं में स्वयं बचाव के तरीके सिखाना है। अभियान के तीसरे दिन सेठानी घाट पर बाढ़ में फंसे लोगों के रेस्क्यू को लेकर मॉकड्रिल आयोजित की गई।मुंबई के संकट मोचन बल सेफ्टी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बाढ़ जैसी आपात स्थिति में राहत-बचाव की महत्वपूर्ण तकनीकें और बारीकियां सिखाईं।

मॉकड्रिल का प्रदर्शन देखने कलेक्टर सोनिया मीना और एसपी साई कृष्ण थोटा भी मौजूद रहे।प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित ने आपदा मित्रों तथा सिविल डिफेन्स के जवानों को खाली बोतलों से सस्ती लाइफ जैकेट बनाने का प्रैक्टिकल प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर यह वर्कशॉप और मॉकड्रिल हो रही है। इसमें सेल्फ सिविल डिफेंस वॉलेंटियर के साथ ही एसडीआरएफ के जवानों को भी ट्रेनिंग दी जा रही है। बाढ़ या जलभराव की स्थिति में पुरानी पानी की बोतलों को एयरटाइट कर रस्सी से बांधकर लाइफ जैकेट बनाया जा सकता है। इसी तरह तेल के टीन से भी लाइफ जैकेट तैयार की जा सकती है।इस अभियान से लोगों में आपदा प्रबंधन की समझ मजबूत हो रही है।

न्यूज विंडो

रिसॉर्ट में मिले चीतल के सींग सेही के कांटे और सांप की कांचली

नर्मदापुरम। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई क्षेत्र में स्थित फोरसिथ लॉज रिसॉर्ट में चीतल के सींग, सेही के कांटे और सर्प की कांचली की अवैध प्रदर्शनी का मामला सामने आया है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए रिसॉर्ट प्रबंधन ने बिना किसी अनुमति के इन वन्यजीव अवयवों को प्रदर्शित किया था।एसटीआर के बागड़ा बफर रेंजर विलास डोंगरे की सर्चिंग में चीतल के 4 एन्टलर (सींग), सेही के 4 कांटे और सर्प की 2 कांचलियां जब्त की गईं। सहायक संचालक सोहागपुर आशीष खोबरागढ़े के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अनाधिकृत प्रदर्शनी के लिए वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।एसडीओ आशीष खोबरागढ़े ने बताया,रिसॉर्ट में ये अवयव डिस्प्ले में रखे थे, जो पूरी तरह अवैध है। प्रथम दृष्ट्या मैनेजर जिम्मेदार नजर आ रहा है। उनसे पूछताछ होगी कि ये सामान कहां से लाए। अगर मालिक की संलिप्तता पाई गई तो उन्हें भी आरोपी बनाया जाएगा।बता दे कि फोरसिथ लॉज नदी किनारे कई एकड़ में फैला लग्जरी रिसॉर्ट है, जिसमें ग्रामीण शैली के कॉटेज, स्विमिंग पूल और हाई-एंड सुविधाएं हैं। सूत्रों के अनुसार, रूम बुकिंग मुंबई से होती है।

महिला दिवस: पुलिस कंट्रोल रूम में महिलाओं का किया सम्मान

नर्मदापुरम। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस कंट्रोल रूम नर्मदापुरम में महिला सशक्तिकरण एवं अपराधों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के अनुपालन में जिला पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा के मार्गदर्शन में किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जितेंद्र पाठक के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों, बाल विवाह रोकथाम एवं महिला अपराधों पर अंकुश लगाने वाले प्रयासों को प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वन स्टॉप सेंटर की कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल, वन स्टॉप सेंटर (नर्मदापुरम) की प्रशासक प्रतिभा वाजपेई, सीडब्ल्यूसी अधिकारी अनीता जाट, उपनिरीक्षक मोनिका गौर, उपनिरीक्षक दीपिका लोखंडे तथा अन्य महिला अधिकारी-कर्मचारी एवं वन स्टॉप सेंटर की कार्यकर्ताएं शामिल रहीं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन ने सभी के कार्यों की सराहना की तथा समाज की अन्य महिलाओं को प्रेरित होकर उत्कृष्ट कार्य करने का आह्वान किया।इस गरिमामयी समारोह ने महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सुरक्षित परिवेश को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

उद्योग नगरी में काला साया: कमर्शियल गैस सिलेंडर के 500 से ज्यादा उपभोक्ता पर सीधा असर

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी ठप 100 से अधिक कारखानों का उत्पादन प्रभावित

अजय आहूजा। मंडीदीप

वैश्विक तनाव की आग अब भारत के औद्योगिक पटल पर भी भड़क रही है। ईरान और इजराइल के बीच चल रहे युद्ध के कारण तेल और गैस आपूर्ति श्रृंखला में आई खलल ने मध्य प्रदेश के औद्योगिक हब मंडीदीप को बुरी तरह जकड़ लिया है। पिछले एक सप्ताह से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी पूरी तरह बंद है, जिसका सीधा असर क्षेत्र के 100 से अधिक कारखानों, होटलों, रेस्टोरेंट्स और मैरिज गार्डन्स पर पड़ रहा है। इस संकट ने न केवल उत्पादन को प्रभावित किया है, बल्कि शादी-विवाह के मौजूदा सीजन में भी गैस की भयंकर किल्लत पैदा कर दी है।

ऑयल कंपनियों द्वारा जारी किए गए आदेश के तहत शनिवार से ही कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति रोक दी गई थी, हालांकि आधिकारिक निर्देश सोमवार को एजेंसियों तक पहुंचा। मंडीदीप क्षेत्र में रोजाना औसतन 500 कमर्शियल सिलेंडरों की मांग रहती है, जो अब पूरी तरह ठप हो चुकी है। यहां करीब 500 से अधिक उपभोक्ता हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे-मध्यम उद्योग, खानपान क्षेत्र और आयोजन स्थल शामिल हैं। एचपी कमर्शियलगैस एजेंसी संचालक विनोद जैन का कहना है कि वैश्विक स्तर पर ईरान से तेल निर्यात में कमी आने से भारत की गैस आयात श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिसका बोझ स्थानीय स्तर पर कमर्शियल ग्राहकों पर डाला जा रहा है।

मंदी का खतरा-दवा से लेकर मशीनरी तक ठप

मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र, जो भोपाल से मात्र 20 किलोमीटर दूर स्थित है, मध्य प्रदेश का एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब है। यहां दवा निर्माण, फेब्रिकेशन, सीएनसी मशीनरी और अन्य इंजीनियरिंग यूनिट्स की भरमार है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर इन कारखानों में बायलर संचालन, हीटिंग प्रक्रियाओं और उत्पादन लाइनों के लिए गैस का उपयोग अनिवार्य है। डिलीवरी बंद होने से कम से कम 100 से अधिक इकाइयों में उत्पादन प्रभावित हो रहा है।एक स्थानीय दवा निर्माता कम्पनी के संचालक आकाश ने बताया, ÷हमारे प्लांट में बायलर गैस पर चलते हैं, इसके अलावा ग्लास कटिंग में भी एल्पीजी का उपयोग होता है, एक सप्ताह से बिना गैस के हम सिर्फ स्टॉक पर निर्भर हैं। अगर यह संकट लंबा खिंचा तो ऑर्डर डिलीवरी में देरी होगी और नुकसान करोड़ों में होगा। इसी तरह, फेब्रिकेशन और मेटल वर्किंग यूनिट्स में वेल्डिंग और कटिंग मशीनों के लिए गैस की कमी से आने वाले दिनों में मजदूरों को छुट्टी देनी पड़ेगी।

प्रशासन को लिखा पत्र: एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज मंडीदीप ने जिला प्रशासन को पत्र लिखकर औद्योगिक क्षेत्र में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित कराने का मांग की है, उन्होंने पत्र में लिखा है कि मंडीदीप में कई कारखाने ऐसे हैं जहां मनुष्य जीवन के लिए उपयोगी दवा, खाद्य पदार्थ तैयार किये जाते हैं, लेकिन एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज मंडीदीप के अध्यक्ष विकास मूंद्रा ने बताया कि मंडीदीप के 100 से ज्यादा कारखानों में एलजी कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने से उत्पादन प्रभावित होना शुरू हो गया है।

सिंगरौली में नाबालिग की हत्या के बाद तनाव

गुस्साए लोगों ने वाहन फूंका, थाने के बाहर तोड़फोड़ किया पथराव, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

सिंगरौली। दोपहर मेट्रो

जिले के मोरवा थाना इलाके में 15 वर्षीय नाबालिग की हत्या के बाद बुधवार देर शाम को इलाके में तनाव के हालात बन गए। युवक का शव मिलने के बाद परिजन के साथ-साथ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। इसी आक्रोश के चलते भीड़ ने पहले तो मोरवा थाने में जमकर बवाल काटा, फिर हत्या के एक आरोपी के घर के बाहर पहुंची और वहां भी जमकर बवाल किया। भीड़ ने आरोपी के घर के बाहर खड़ी एक स्कॉर्पियो को भी आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया, जिसके चलते इलाके में हड़कप मच गया।

इसके बाद आक्रोशित भीड़ मोरवा थाने के गेट के सामने जमा हो गई। यहां पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी भीड़ द्वारा जमकर नारेबाजी शुरू की गई। बताया जा रहा है कि, नाबालिग 2 दिन पहले

अचानक लापता हुआ था, जिसके बाद से लगातार जारी तलाश के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजन ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की गई। इसी बीच बुधवार शाम नाबालिग का शव मिलने के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। परिजन के साथ स्थानीय लोग हत्या की आशंका जताते हुए मोरवा थाने के गेट पर इकट्ठे हुए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। भीड़ द्वारा किया जा रहा प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया। यहां भीड़ का गुस्सा पुलिस पर इस कदर बढ़ा कि, लोगों ने थाने के गेट पर तोड़फोड़ कर दी। यही नहीं, उग्र हुई भीड़ ने थाना परिसर में खड़े पुलिस सुरक्षा वाहन पर भी तोड़फोड़ कर दी। भीड़ ने थाने पर तैनात पुलिस टीम पर भी पथराव कर दिया। यही नहीं, पुलिसकर्मियों पर मिर्ची पाउडर तक फैंका गया। हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े, साथ ही लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ना पड़ा। जनकारी ये भी सामने आई है कि, प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने पेट्रोल बम तक फेंके हैं। इसके बाद रात करीब 10 बजे आक्रोशित भीड़ ने आरोपी पंकज गुप्ता के घर के बाहर खड़ी एक कार में आग लगा दी। फिलहाल, पुलिस उपद्रवियों को चिह्नित कर रही है।

पत्नी का स्टेटस देखकर पति ने दे दी जान

रतलाम। दोपहर मेट्रो

शहर में एक युवक ने पत्नी व ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी कर ली। घटना ऊकाला रोड क्षेत्र की है जहां रहने वाले मोईन काजी (35) ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। जहर खाकर जान देने से पहले मोईन ने एक सात मिनट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला है जिसमें उसने अपनी पत्नी व ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए पत्नी व ससुराल वालों को ही जिम्मेदार ठहराया है। सुसाइड करने से पहले मोईन ने जो सात मिनट का वीडियो बनाया है उसमें वो हाथ में सल्फास की गोलियों की डिब्बी लिए दिख रहा है। वो पत्नी का नाम लेते हुए कहता है कि तूने आज स्टेटस लगाया है कि मैं तेरे लिए सिरदर्द बन गया हूं। ठीक है ये देख सल्फास है जो मैं खाने वाला हूं। उसने आगे कहा कि मुझे मेरी औरत ने इतना परेशान किया है। मेरी 13 साल की शादी में वह कई बार मायके जाकर बैठ गई। न उसने मुझसे बात की और न बच्चों से कराई। अब मुझसे यह सब बर्दाश्त नहीं हो सकता। यह कदम मैं मजबूरी में उठा रहा हूं क्योंकि तुमने (पत्नी) ने मुझे मजबूर कर दिया है।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर के आदेश पर एक सप्ताह में प्रस्तुत करना थी जांच रिपोर्ट

नगरपालिका में हुए भ्रष्टाचार की जांच एक माह बाद भी ठंडे बस्ते में

अजय आहूजा। मंडीदीप

मंडीदीप नगरपालिका में हुए सालों पहले भ्रष्टाचार को लेकर नगर की मंडीदीप मीडिया हाउस द्वारा विगत माह 6 सूत्रीय अनियमितताओं को लेकर जिला कलेक्टर रायसेन अरुण कुमार विश्वकर्मा को ज्ञापन सौंपा गया था। जिसमें नपा के अलग अलग विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत पत्र दिया गया।

कलेक्टर ने जिला परियोजना अधिकारी सुरेखा जाटव, एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव, तहसीलदार हेमंत शर्मा,सीएमओ ओबेदुल्लागंज, एसडीओ लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, सीएमओ मंडीदीप प्रशांत जैन, सभी को अलग अलग विभागों के जांच का जिम्मा दिया गया और तो और उन्हें जल्द ही रिपोर्ट सौंपने को कहा गया परन्तु एक माह बाद भी जांच का पता

नहीं और न ही भ्रष्ट कर्मचारी पर किसी प्रकार का कोई कार्यवाही नहींकरना सवाल खडे करता है । नगर के लोगों का कहना है की जांच ठंडे बस्ते में पड़ गई।

जांच रिपोर्ट पेश होने के उपरांत विभागी मे भ्रष्ट कर्मचारियों पर गिर सकती है गाज: वही जैसे ही रिपोर्ट कलेक्टर रायसेन को सोपी जाएगी संभावना जताई जा रही नपा के उन भ्रष्ट कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है जिन्होंने पिछले कई सालों में नियम विरुद्ध योजनाओं का लाभ और साठगांठ कर अपात्र को भी पात्र बताकर लाभ पंहुचा दिया। गौहरगंज एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने बताया कि कई विषयों की जांच रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है एक या दो जांच की रिपोर्ट आना बाकी है संभवतः दो से तीन दिन में रिपोर्ट कलेक्टर महोदय को सौंपी जाएगी।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया जिला भोपाल (म.प्र.)

क्र./था.प्रतलै./भो/डि.75/26 दिनांक 10/03/26
मर्ग क्र. 04/26 जिला भोपाल

जाहिर सूचना

कैफियत मामला इस प्रकार है आज दिनांक 12/01/2026 सूचक चैन सिंह शाक्या पिता पन्ना लाल उम्र 42 वर्ष नि. ग्राम गरेठा तह. सिरोंज जिला विदिशा भोपाल हाल पता रैन बसेरा थाना तलैया भोपाल ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि मैं उपरोक्त लिखाये पते पर रहता हूँ तथा मिस्त्री मकान निर्माण का काम करता हूं कि आज दिनांक 12/01/2026 को दोपहर करीबन 02.00 बजे अपने दोस्त से मिलने रैन बसेरा आया हुआ था तभी इंदिरा गांधी अस्पताल गेट के पास रैन बसेरा के सामने एक अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 45 वर्ष नि. अज्ञात बेशुध अवस्था में पड़ा दिखा जिसे मेरे द्वारा व आसपास के लोगों द्वारा हिला डुलाकर चेक किया गया जिसके शरीर में कोई हलचल नहीं हो रही थी जिसकी सांसे चल रही थी जिसकी मृत्यु हो चुकी थी। कि सूचना देने आया हूं सूचना देता हूं कार्यवाही की जाये। सूचक की सूचना पर मर्ग क्र. 04/26 धारा 194 बीएनएस का कायम कर जांच में लिया गया। मर्ग कायमी की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों एवं एसडीएम महोदय को भेजी जाती है।

अज्ञात मृतक पुरूष का हुलिया-हुलिया रंग सांवला अज्ञात मृतक पुरुष के सिर के बाल छोटे हल्की दाढ़ी वजी है दाहिने पैर के घुटने के नीचे पुरानी चोट के निशान व पिंक कलर शर्ट व खाकी कलर की पेन्ट रंग की पहने है।

थाना प्रभारी तलैया के मो. 9479990560, 0755-5443230 एवं जांच कर्ता 8839164117

थाना प्रभारी
थाना तलैया जिला-भोपाल

जी-27100/25

गौहरगंज तहसील के ग्राम सिंगलदीप का मामला: बेशकीमती शासकीय भूमि पर भ्रष्टाचार का ड्रोन सर्वे

कब्जाधारी किसान का खेल-गरीब व्यक्ति के नाम चढ़ी जमीन

औबेदुल्लागंज। अमित श्रीवास्तव

गौहरगंज तहसील के ग्राम सिंगलदीप में राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली और भ्रष्टाचार के गठजोड़ का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ लाखो की शासकीय भूमि को कागजों पर एक गरीब व्यक्ति के नाम पर दर्ज कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, इस पूरे खेल के पीछे एक रसूखदार किसान का हाथ है जिसका इस शासकीय भूमि पर लंबे समय से अवैध कब्जा है। राजस्व निरीक्षक और हल्का पटवारी ने अपने निजी हितों को साधने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को पूरी तरह अंधेरे में रखा और बिना किसी ठोस आधार के इस सुरक्षित शासकीय रकवे का हस्तांतरण कर दिया। जब मामला उजागर हुआ तो अपनी गर्दन बचाने के लिए राजस्व निरीक्षक ने इसे ड्रोन सर्वे की महज एक तकनीकी गलती बताकर नायब तहसीलदार को निरस्तीकरण का प्रस्ताव भेज दिया। राजस्व नियमों के अनुसार, किसी भी भूमि के रिकॉर्ड में परिवर्तन से पहले धरातल पर भौतिक सत्यापन अनिवार्य है। बिना जांच किए इतनी बड़ी प्रविष्टि करना भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और शासकीय कर्मचारी आचरण नियमावली का खुला उल्लंघन है। यह कृत्य सीधे तौर पर धोखाधड़ी और पद के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है। यदि इसी तरह गलती का बहाना बनाकर सरकारी संपत्तियां बांटी जाती रहीं, तो क्षेत्र में सरकारी जमीन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। यद्यपि नायब तहसीलदार का कहना है कि फाइल जिला कलेक्टर को भेजी गई है, लेकिन गरीब निर्दोष व्यक्ति को मोहरा बनाकर किए गए इस बड़े फर्जीवाड़े पर अब तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न होना विभाग की मंशा पर सवाल उठाता है। पूरे मामले की जानकारी लगने पर नागरिकों ने मांग की है कि केवल प्रविष्टि सुधारना काफी नहीं है, बल्कि इस साजिश में शामिल राजस्व अमले और कब्जाधारी किसान पर एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

संबंधित पट्टे की निरस्तीकरण के लिए अनुशंसा की गई है

"संबंधित भूमि पर गलत नाम अंतरित होने की त्रुटि सुधार हेतु प्रतिवेदन राजस्व निरीक्षक द्वारा प्राप्त हुआ हैं इस त्रुटि को सुधार एवं पट्टा निरस्तीकरण की कार्रवाई कि गई हैं फ़ाइल जिला कलेक्टर की ओर प्रेषित हैं ।
-नीलेश कुमार सरवटे, नायब तहसीलदार औबेदुल्लागंज

पत्रकारों द्वारा मामले की जानकारी देने के बाद तत्काल त्रुटि सुधार हेतु प्रतिवेदन बनाकर नायब तहसीलदार को भेज दिया गया है और संबंधित पट्टे की निरस्तीकरण के लिए अनुशंसा की गई है ।
-कृष्णकुमार बालापुरे, राजस्व निरीक्षक औबेदुल्लागंज"

न्यूज विंडो

कार बोलेरो से टकराई, जीजा की मौत, दुल्हन हुई घायल

शिवपुरी। जिले के कोलारस में रहने वाले जैन परिवार में शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब शादी में जाते वक्त दुल्हन की कार हादसे का शिकार हो गई। हादसे में दुल्हन के जीजा की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में दुल्हन सहित 4 लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जैन परिवार कोलारस से बेटी की शादी करने के लिए गंजबासौदा जा रहा था, इसी दौरान एक्सीडेंट हुआ। कोलारस निवासी जैन परिवार अपनी बेटी साक्षी जैन की शादी के लिए चार गाड़ियों में सवार होकर विदिशा जिले के गंजबासौदा जा रहा था। रास्ते में नईसराय-शाढ़ौरा रोड पर बरखेड़ा गांव के पास दूसरे नंबर पर चल रही उनकी अर्टिगा कार की सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो से सीधी टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दुल्हन के जीजा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दुल्हन व कार में सवार उसकी मां व दो अन्य लोग जिनमें एक डेढ़ साल की बच्ची भी शामिल है घायल हुए हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल अशोकनगर पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने दुल्हन साक्षी सहित दो लोगों (दोनों गाड़ियों के ड्राइवरों) की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया था। भोपाल में इलाज के दौरान बुधवार को दोनों ड्राइवरों की मौत हो गई। दुल्हन का इलाज अभी जारी है, हादसे में दुल्हन के घायल होने और जीजा की मौत होने से शादी की खुशियां मातम में तब्दील हो गईं।

राहतगढ़ और जैसीनगर को मिली आधुनिक ग्रंथालय की सौगात

बुंदेलखंड की वीरधरा पर थमेगा नहीं विकास का कारवां: मुख्यमंत्री

सागर। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर प्रवास के दौरान बुंदेलखंड की वीर भूमि को नमन करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने महाराजा छत्रसाल और चंदेल राजाओं के योगदान को याद करते हुए कहा कि बुंदेलखंड महावीरों की धरती है। ''छत्ता तेरे राज में धक-धक धरती होय'' की पंक्तियों के साथ उन्होंने महाराजा छत्रसाल के स्वाधीनता संघर्ष और संस्कृति संरक्षण के संकल्प को दोहराया। कठिन चुनौतियों के बीच भी इस धरा ने अपनी पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा का मंदिर बनाकर पीढ़ियों तक योगदान दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने गर्व से कहा कि हाल ही में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट ने सिद्ध कर दिया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में भारत आज दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। डॉ. हरीसिंह गौर के त्याग और सागर विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने यहां रानी अवंती बाई लोधी विश्वविद्यालय की स्थापना कर शिक्षा के नए द्वार खोले हैं। बुंदेलखंड के आर्थिक और ढांचागत विकास पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत दिनों क्षेत्र के विकास के लिए बुन्देलखंड कैबिनेट के माध्यम से 27 हजार करोड़ रुपये के कार्यों की मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि विकास का यह कारवां निरंतर जारी रहेगा ताकि बुंदेलखंड का युवा आत्मनिर्भर और सशक्त बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा हमारे बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आप खूब पढ़ें, भविष्य के सपने बुनें और अपनी सफलता से देश को आगे बढ़ाने में योगदान दें।

आधुनिक पुस्तकालय खोले जाने को घोषणा

आकाश सिंह राजपूत द्वारा आयोजित 6 माह लंबी क्रिकेट प्रतियोगिता (10,000 खिलाड़ी) को उन्होंने अद्भुत बताया। उन्होंने राहतगढ़ और जैसीनगर में और आधुनिक पुस्तकालय (ग्रंथालय) खोले जाने को घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे शीघ्र ही देवरी और नरयावली पहुँचकर नए विकास कार्यों को गति देंगे। अभी हाल ही में भारत की टीम ने क्रिकेट की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीत कर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में हमारे खिलाड़ी नाम रोशन कर रहे हैं।

विकास में सीएम का योगदान अविस्मरणीय-राजपूत

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस दिन को सागर के लिए ऐतिहासिक बताते हुए विकास के कई महत्वपूर्ण पड़ावों को रेखांकित किया। राजपूत ने कहा कि आज का दिन बेहद सौभाग्यशाली है। उन्होंने याद दिलाया कि ज्ञानवीर विश्वविद्यालय की फाइल पर डॉ. मोहन यादव ने तभी हस्ताक्षर कर इसकी शुरुआत कराई थी, जब वे प्रदेश के शिक्षा मंत्री थे। सागर अब उन चुनिंदा शहरों में शामिल है जहां केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ-साथ राजकीय विश्वविद्यालय (स्टेट यूनिवर्सिटी) और मेडिकल कॉलेज की सुविधा भी उपलब्ध है। कार्यक्रम के प्रारंभ में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आदित्य सिंह राजपूत ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं जिला के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, विधायक गोपाल भार्गव, भूपेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, ब्रज बिहारी पटेरिया, वीरेंद्र सिंह लोधी, निर्मला सप्रे, हीरा सिंह राजपूत, महापौर संगीता सुशील तिवारी, श्याम तिवारी, गौरव सिरोठिया, गौरव रणदिवे, हरवंश सिंह राठौर, सविता सिंह राजपूत, आकाश सिंह राजपूत, कमिश्नर अनिल सुचारी, पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना, कलेक्टर संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कार्ड बांटने जा रहे पिता को ट्रक ने कुचला, मौत

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले में बेटे की शादी के कार्ड बांटने निकले पिता की ट्रक की टक्कर से मौत हो गई। घटना जिले के लालबर्रा की है जहां गायत्री राइस मिल के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी। घटना में बाइक सवार दो लोगों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक मौके पर छोड़कर फरार हो गया है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। बालाघाट जिले के लालबर्रा में गायत्री राइस मिल के पास एक सड़क हादसे में 45 वर्षीय सीताराम गुर्जर की मौत हो गई। वह बुधवार दोपहर अपने बेटे की शादी के कार्ड बांटने जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उनके साथी सोहनलाल गौतम गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतक सीताराम गुर्जर भवन निर्माण मिस्त्री थे और उनके बेटे प्रवीण की शादी 1 मई को होनी तय है। पिता सीताराम बेटे की शादी के कार्ड बांटने के लिए देवगांव जा रहे थे तभी ये हादसा हुआ। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में ले

लिया है। सीताराम की मौत की खबर जब परिजनों को लगी तो शादी वाले घर में मातम छा गया। गुस्साए परिजन व समाज के लोगों ने मुआवजे और ट्रक मालिक पर कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क से मृतक सीताराम का शव नहीं उठने दिया। हालांकि बाद में ट्रक मालिक और पंचायत की ओर से 40 हजार रुपए की सहायता राशि मिलने और प्रशासन की ओर से 15 हजार रुपए और श्रमिक कार्ड योजना के तहत 4 लाख रुपए दिलाने का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजनों ने शव सड़क से उठने दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

छात्रावास में चौकीदार की बेल्ट से पिटाई, पूर्व छात्र पर प्रकरण दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

शासकीय बालक छात्रावास में चौकीदार से मारपीट का मामला सामने आया हैं, छात्रावास में ही रहने वाला पूर्व छात्र देर रात परिसर में घुसा व विवाद करने लगा। चौकीदार ने समझाईशदी तो आरोपी अंकित पिता महेंद्र कटारे निवासी अर्जुन कॉलोनी बेल्ट से जमकर मारपीट करने लगा। चौकीदार की पीठ पर बेल्ट के निशान अलग ही आरोपी की क्रूरता के नजर आ रहे हैं, पीडित की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी अर्जुन के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने सहित कुल 6 धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। गिरफतारी के लिए पुलिस की एक टीम

आरोपी के घर भी पहुंची थी, किंतु आरोपी नहीं मिला है। इधर बेल्ट से मारपीट के दौरान छात्रावास में मौजूद अन्य विधार्थियों ने आरोपी के फोटो बना लिए थे, जिसे भी पुलिस को सौंपे गए है।

दरअसल कोतवाली थाना अंतर्गत मांडव रोड पर शासकीय बालक आदिवासी आवासीय छात्रावास बना हुआ है। आरोपी अर्जुन कॉलोनी निवासी अंकित पिता महेंद्र कटारे पहले इसी छात्रावास में रहकर पढ़ाई करता था। हालांकि उसके खराब व्यवहार के कारण उसे छात्रावास से निष्कासित कर दिया गया था, जिसके बाद वह घर से ही आना-जाना करता रहा। 9 मार्च की रात अंकित का छात्रावास के एक छात्र से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी रंजिश के चलते वह कल देर रात छात्र से मारपीट करने के इरादे से छात्रावास की दीवार कूदकर परिसर में पहुंचा। जब आरोपी अंकित छात्रावास में जबरन घुसने का प्रयास कर रहा था, तब वहां तैनात चौकीदार धर्मेंद्र पटेल ने उसे रोकने की कोशिश की। तो आरोपी चौकीदार के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गालियां देना शुरू कर दिया। अंकित ने बेल्ट से चौकीदार की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उनकी पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। चौकीदार ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के अनुसार चौकीदार ने युवक को रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने बेल्ट से मारपीट की थी, अर्जुन को उसके गलत व्यवहार के कारण पहले ही निष्कासित किया जा चुका है। आरोपी की तलाश जारी है।

स्प्रे छिड़क कर 11वीं की छात्रा से ज्यादती, खेत में बेहोश मिली

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में एक 11वीं क्लास की छात्रा के साथ हैवानियत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा जब मंगलवार शाम शौच के लिए खेत की ओर गई थी, तब 22 वर्षीय आरोपी ने उस पर नशीला स्प्रे छिड़क कर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता खेत में लहूलुहान और बेहोशी की हालत में मिली, जिसे नाजुक हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों के अनुसार मंगलवार शाम करीब 7 बजे नाबालिग घर से खेत की ओर निकली थी। जब काफी देर तक वह वापस नहीं लौटी, तो परिवार के लोग चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद छात्रा खेत में खून से सने कपड़ों में और बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। इस मंजर को देखकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई और वे तुरंत उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां छात्रा का इलाज चल रहा है। परिजनों ने बताया कि अस्पताल में उपचार के दौरान जब पीड़िता को कुछ पलों के लिए होश आया, तो उसके चेहरे पर भारी दहशत थी। परिजनों ने बताया कि वह बदहवास होकर छोड़ दो, बचा लो जैसे शब्द चिल्लाने लगी और फिर से अचेत हो गई। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उसकी हालत पर निरंतर नजर बनाए हुए है और उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी आदित्य पटले, कोतवाली थाना प्रभारी और सिविल लाइन थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने डॉक्टरों से पीड़िता के स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिजनों को ढांढस बंधाया। सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि मामले की गंभीरता से लेते हुए 22 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मेट्रो एंकर

शारदा माता मंदिर के पास आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर झूम उठे श्रद्धालु, गूंजे जयकारे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 8 में शारदा माता मंदिर के समीप आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन का आयोजन अत्यंत भावपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनते ही पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर नाचते-गाते भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशियां मनाते नजर आए। पूरे आयोजन स्थल पर आध्यात्मिक ऊर्जा और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

कथा व्यास पंडित उमाशंकर शास्त्री ने अपने प्रवचन में सत्संग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन को श्रेष्ठ बनाने में सत्संग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि किसी कारणवश अच्छे लोगों का संग प्राप्त न हो सके तो व्यक्ति को उत्तम और प्रेरणादायक साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। अच्छे विचार और अच्छी पुस्तकें भी मनुष्य के जीवन को निर्मल और आत्मा को शुद्ध करने का कार्य करती हैं। कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। पंडित उमाशंकर शास्त्री ने बताया कि

जब-जब पृथ्वी पर अधर्म, अत्याचार और अन्याय का विस्तार होता है, तब-तब भगवान स्वयं अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। मथुरा में कंस के अत्याचारों से पीड़ित धरती की पुकार पर भगवान विष्णु ने देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन के माध्यम से धर्म की रक्षा की और अत्याचारी कंस का वध कर सत्य और न्याय की विजय का मार्ग प्रशस्त किया। जैसे ही कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का वर्णन किया गया, श्रद्धालुओं ने उल्लासपूर्वक भगवान के जन्म का उत्सव मनाया। भजन-कीर्तन और जयघोषों के बीच श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते नजर आए। पूरा पंडाल भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो गया। कथा व्यास ने अपने प्रवचन में यह भी कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करना अत्यंत सौभाग्य की बात है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होता है जब हम कथा में बताए गए आदर्शों और शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सदैव धर्म, सेवा और परमार्थ के मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीराम की मर्यादा का भी उल्लेख किया और कहा कि भगवान राम ने मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर राक्षसों का संहार किया तथा पृथ्वी को भयमुक्त किया। उनके जीवन से हमें सत्य, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है। श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा में स्वर्गीय पंडित सुरेश तिवारी जी की स्मृति में कथा श्रवण हेतु लक्ष्मी बाई, पंडित कृष्णकांत तिवारी, पंडित रमाकांत तिवारी सहित क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पंडित महेश तिवारी, राजेश तिवारी, सचिव बलिराम तिवारी, मुकेश तिवारी, दिनेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। कथा स्थल पर प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से आयोजन भक्तिमय वातावरण में निरंतर आगे बढ़ रहा है और धर्म तथा आध्यात्मिकता की गंगा प्रवाहित हो रही है।

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज कोच गंभीर

अब टीम की नजरें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के खिताब पर हैं, नहीं रुकने वाला जीत का अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम को अपने मार्गदर्शन (कोचिंग) में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जिताने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर आत्मविश्वास से लबरेज हैं। उन्होंने कहा कि भारत की जीत का अभियान यहीं रुकने वाला नहीं है। अब टीम की नजरें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के खिताब पर हैं। भारत ने हाल ही में न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने 96 रनों से जीत दर्ज की थी और तीसरी बार इस प्रारूप का खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही। अब कोच गंभीर की नजरें टेस्ट क्रिकेट में भी टीम इंडिया को विजेता बनाने पर हैं।

एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में गंभीर ने टीम इंडिया के अगले लक्ष्य पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनके दिल के सबसे करीब है और उनका अगला लक्ष्य भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल का खिताब दिलाना है। बता दें कि, भारत पहले डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया था। इसके बाद टीम इंडिया 2021-23 के सत्र में फाइनल में पहुंची, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से उसे करारी शिकस्त मिली। वहीं, 2023-25 डब्ल्यूटीसी सत्र में टीम फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही थी।

बदलाव के दौर से गुजर रही टीम

इस दौरान गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों को माना और कहा कि बदलाव के दौर में टीम युवा खिलाड़ियों का समर्थन करती रहेगी। गंभीर ने कहा, टेस्ट क्रिकेट मेरे दिल के बहुत करीब है। मुझे उम्मीद है कि पहले हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालिफाई कर सकें। वह मेरा अगला लक्ष्य है। और हमारे पास अभी भी, क्या, नौ टेस्ट मैच बाकी हैं? और फोकस वहीं रहेगा क्योंकि मुझे लगता है कि हां, हम रेड बॉल क्रिकेट में एक बदलाव से गुजरे हैं, और यह व्हाइट बॉल

क्रिकेट की तुलना में हमेशा मुश्किल होता है। गंभीर ने आगे कहा, कुछ युवा खिलाड़ी हैं जिन्हें हम टेस्ट क्रिकेट में समर्थन करते रहेंगे क्योंकि टेस्ट क्रिकेट कभी आसान नहीं होता। इसलिए अगला टारगेट यह है कि उम्मीद है कि हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कर सकें।

मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र भी नहीं सुधरे हालात

गंभीर के नेतृत्व में भारत ने पिछले साल इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। इसके बाद घरेलू मैदान पर टीम ने वेस्टइंडीज को हराया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में भारत 0-2 से हार गया। इससे पहले डब्ल्यूटीसी के मौजूदा चक्र में भी टीम की स्थिति खराब हो गई है।

टेस्ट प्रारूप में असफलता के कारण निशाने पर आए कोच

गंभीर ने जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच पद को संभाला था। गंभीर ऐसे समय पद पर आए जब भारत ने द्रविड़ के कार्यकाल में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। गंभीर के नेतृत्व में वनडे और टी20 में तो टीम ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन टेस्ट प्रारूप में भारत का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है। गंभीर के नेतृत्व में भारत ने पहली टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को हराया था। इसके बाद भारत का मुकाबला 2024 में न्यूजीलैंड से हुआ था। तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन घरेलू मैदान पर काफी खराब रहा था और टीम इंडिया लंबे समय के बाद घर में कोई टेस्ट सीरीज हारी। कीवी टीम ने भारत को उसी के घर पर 0-3 से मात दी थी। फिर उसी साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाई जिससे टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-2025 चक्र के फाइनल में जगह नहीं बना सकी।

टी20 के बाद वनडे में भी पाकिस्तान टीम फुस्स

पहले मुकाबले में बांग्लादेश ने आठ विकेट से दी पटखनी

मीरपुर , एजेंसी

पाकिस्तान का टी20 विश्व कप में सुपर-8 चरण से बाहर होने का दुख अभी खत्म नहीं हो पाया था कि अब वनडे में भी उन्हें करारी शिकस्त मिली है। दरअसल, पाकिस्तान को बांग्लादेश ने पहले वनडे में आठ विकेट से रौंद दिया। तीन मैचों की वनडे सीरीज का यह मुकाबला मीरपुर में खेला गया, जहां पाकिस्तान 30.4 ओवर में महज 114 रन ही बना सकी। वहीं, बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मेजबान बांग्लादेश सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है।

नाहिद राणा ने ली पाकिस्तान की क्लास

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम ने 23 वर्षीय नाहिद राणा की धारदार गेंदबाजी के सामने घुटने टेक दिए। मेहमान टीम 30.4 ओवरों में सिर्फ 114 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान को साहिबजादा फरहान और माज सदाकत की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 10 ओवरों में 41 रन जोड़े। साहिबजादा फरहान 38 गेंदों में 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। अगली आठ साझेदारियां दहाई का आंकड़ा भी ना छू सकीं। आलम ये रहा कि पाकिस्तानी टीम 82 के स्कोर तक अपने नौ विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अबरार अहमद ने फहीम अशरफ के साथ अंतिम विकेट के लिए 41 गेंदों में 32 रन जुटाकर टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान के अलावा, माज सदाकत (18), मोहम्मद रिजवान (10) और फहीम अशरफ (37) के अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। विपक्षी खेमे से नाहिद राणा ने सात ओवरों में 24 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। उनके अलावा, कप्तान मेहदी हसन मिराज ने 3 विकेट निकाले। तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान के हाथ 1-1 विकेट लगा।

फीफा को उम्मीद, विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगा ईरान, दोनों के बीच जारी है युद्ध

मियामी, एजेंसी

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम को अमेरिका आने और लगभग तीन महीने में शुरू होने वाले विश्व कप में खेलने की अनुमति दी जाएगी, भले ही दोनों देशों के बीच युद्ध जारी हो। ईरान की टीम विश्व कप के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच अमेरिका में खेलेगी। उसकी टीम 15 जून को कैलिफोर्निया के इंगलेवुड में न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना आखिरी मैच खेलेगी। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ईरान के फुटबाल महासंघ के अधिकारियों ने

हाल ही में संकेत दिया था कि युद्ध के कारण उनके देश का विश्व कप में खेलना संदिग्ध है।

फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि उन्होंने मंगलवार की रात को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टूर्नामेंट की तैयारियों की स्थिति पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। ट्रंप ने उन्हें आश्वासन दिया कि ईरान की टीम को अमेरिका आने की अनुमति दी जाएगी। इन्फेंटिनो ने कहा, हमने ईरान की मौजूदा स्थिति और इस तथ्य पर भी चर्चा की कि ईरान की टीम ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चर्चा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहराया कि ईरान की टीम का अमेरिका में विश्व कप में भाग लेने के लिए निश्चित रूप से स्वागत है।

विकेटकीपर- बल्लेबाज जितेश शर्मा ने बयां किया दर्द

टी-20 विश्वकप से बाहर होने का दुख था

नई दिल्ली , एजेंसी

विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा ने खुलासा किया है कि भारत के टी20 विश्व कप 2026 अभियान शुरू होने से कुछ दिन पहले ही उनके पिता का निधन हो गया था। उन्होंने कहा कि टीम से बाहर होने की वजह से उन्हें अपने पिता के साथ उनके अंतिम दिनों में रहने का मौका मिला, और इस बात का उन्हें बिल्कुल भी पछतावा नहीं है।

जितेश शर्मा पिछले साल एशिया कप तक भारतीय टीम में दूसरे विकल्प के विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, उन्हें टी20 विश्व कप की टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन को मौका दिया गया। जितेश की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन और ईशान किशन ने टीम की

ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई। बातचीत में जितेश ने बताया कि जब उन्हें टीम से बाहर किए जाने की खबर मिली तो शुरुआत में वे थोड़े निराश हुए थे, लेकिन बाद में उन्हें महसूस हुआ कि उस समय उनके पिता को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, %जब मुझे टीम से बाहर किए जाने की खबर मिली तो मैं थोड़ा निराश हुआ था। आखिर मैं भी इंसान हूं, इसलिए दुख हुआ। लेकिन मेरे परिवार और दोस्तों ने मुझे काफी संभाला, जिससे वह दुख ज्यादा समय तक नहीं रहा। मेरे पिता बीमार पड़ गए थे और 1 फरवरी को उनका निधन हो गया। उनके साथ मैं सात दिनों तक था।

घर से विश्व कप देखना तनाव भरा था

इस दौरान जितेश ने यह भी बताया कि घर से विश्व कप देखना उनके लिए अलग और ज्यादा तनावपूर्ण अनुभव था। उन्होंने कहा, %घर से विश्व कप देखना बिल्कुल अलग और ज्यादा तनाव भरा था। मैं टीम के लिए बहुत खुश हूं। खिलाड़ियों ने कोच, कप्तान और टीम की जो सोच थी, उसे पूरा किया। एशिया कप से ही उनका लक्ष्य यही था और उन्होंने उसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की।% बता दें कि, टीम की घोषणा से पहले तक जितेश राष्ट्रीय टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा माने जा रहे थे, लेकिन अंतिम 15 खिलाड़ियों की सूची से उन्हें बाहर कर दिया गया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी का हुआ तलाक, चार साल में टूटा घर

जानी मानी एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है. उनका पति सोहेल कथूरिया से तलाक हो गया है. काफी वक्त से उनकी शादी में दरार की खबरें आ रही थीं. अब इस पर मुहर लग गई है. मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने हंसिका और सोहेल का तलाक फाइनल कर दिया है. एक्ट्रेस का घर 4 साल में ही टूट गया है. कपल का इस शादी से कोई बच्चा नहीं है.

हंसिका ने बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से 4 दिसंबर 2022 को धूमधाम से शादी की थी. मगर कुछ महीनों बाद ही उनकी मैरिड लाइफ में उथल-पुथल होने की खबरें आने लगी थीं. सोहेल की हंसिका के साथ ये दूसरी शादी थी. हंसिका की बेस्ट फ्रेंड रिंकी बजाज संग उन्होंने पहली शादी की थी. सोहेल का दोनों में से कोई भी रिश्ता नहीं चला. सोहेल और हंसिका की शादी टूटने से एक्ट्रेस के फैंस को झटका लगा है.

जानकारी के मुताबिक, हंसिका ने तलाक लेते हुए अपने स्त्रीधन और एलिमनी अमाउंट के लिए कोई दावा नहीं किया है. कोर्ट की सुनवाई के दौरान, मोटवानी के वकील अदनान शेख ने बताया कि शादी के बाद कपल कुछ दिनों तक साथ रहा था. लेकिन धीरे-धीरे उन्हें इस बात का एहसास हुआ कि उनके नेचर, सोच और लाइफस्टाइल में बहुत फर्क है. इससे उनके बीच झगड़े होने लगे. छोटी-छोटी बातों पर रोज झगड़ा होता था और एक छत के नीचे रहना उन दोनों के लिए काफी मुश्किल हो गया था. इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया.

सहेली के एक्स से की थी शादी

साउथ की बड़ी एक्ट्रेस हैं हंसिका

हंसिका हिंदी और साउथ इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस हैं. उन्होंने बचपन में अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था. उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट टीवी शो शका लका बूम बूम और मूवी कोई... मिल गया में काम किया था. हंसिका सीरियल देश में निकला होगा चांद, क्योंकि सास भी कभी बहू थी, सोन परी, करिश्मा का करिश्मा, बिदाई में नजर आई थीं. हिंदी इंडस्ट्री में अपना जलवा दिखाने के बाद हंसिका ने साउथ इंडस्ट्री में काम किया. वो साउथ के कई बड़े स्टार्स संग काम कर चुकी हैं. अपने काम के अलावा हंसिका ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर भी चर्चा में रहीं.

'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज, किस्मत की घंटी से शुरू हुई जुनैद-साई की प्रेम कहानी

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की एक अलग ही पहचान रही है। समय-समय पर ऐसी कई प्रेम कहानियां आई हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। इस कड़ी में जुनैद खान और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म एक दिन की चर्चा जोरों पर है। मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत में एक फॉर्च्यून बेल, यानी किस्मत की घंटी, दिखाई जाती है। इस घंटी के बारे में जुनैद खान का किरदार बताता है कि दुनिया भर के हारे हुए आशिक इस घंटी को बजाकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। इसी दौरान उनकी नजर मीरा पर पड़ती है, जिसका किरदार

साई पल्लवी निभा रही हैं। मीरा को देखते ही जुनैद का किरदार उस फॉर्च्यून बेल से एक विश मांगता है कि काश मीरा मेरी हो जाए, चाहे सिर्फ एक दिन के लिए ही सही। इसके बाद ट्रेलर में कहानी आगे बढ़ती है। जुनैद की मांगी हुई यह विश सच हो जाती है। अगले ही सीन में मीरा यानी साई पल्लवी जुनैद के साथ दिखाई देती हैं। दोनों के बीच कई रोमांटिक पल दिखाए जाते हैं। एक सीन में साई पल्लवी जुनैद का जन्मदिन सेलिब्रेट करती नजर आती हैं। वह उन्हें केक पर लगी कैंडल बुझाने से पहले एक विश मांगने के लिए कहती हैं। इस पर जुनैद मुस्कुराते हुए कहते हैं कि उनकी तो विश पहले ही पूरी हो चुकी है। इस तरह ट्रेलर के बीच में दोनों के बीच पनपते प्यार और उनकी केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाया गया है।

मेट्रो बाजार

भारत का डिजिटल पेमेंट मॉडल दुनिया के विकासशील देशों के लिए बना मिसाल: रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार भारत ने आधुनिक इतिहास में सबसे महत्वाकांक्षी फिनटेक (फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी) परिवर्तन में से एक को अंजाम दिया है, जिसकी बदौलत देश आज दुनिया के सबसे उन्नत डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में से एक बन गया है। यह मॉडल अब अन्य विकासशील देशों के लिए भी एक उदाहरण बन रहा है। अजरबैजान स्थित न्यूज डॉट एजेड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मॉडल दिखाता है कि सरकारी नीतियां, तकनीकी नवाचार और व्यापक मोबाइल कनेक्टिविटी मिलकर किस तरह एक प्रभावी भुगतान ढांचा तैयार कर सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की डिजिटल पेमेंट क्रांति ने वैश्विक स्तर पर काफी ध्यान आकर्षित किया है। अर्थशास्त्री और तकनीकी विशेषज्ञ इसे अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक सफल मॉडल के रूप में अध्ययन कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल पहचान प्रणाली, तेजी से बढ़ती मोबाइल कनेक्टिविटी, आधुनिक पेमेंट प्लेटफॉर्म और सरकार की सहायक नीतियों के संयोजन ने दुनिया के सबसे बड़े और कुशल डिजिटल इकोसिस्टम में से एक को जन्म दिया है। रिपोर्ट में सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए कहा गया कि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और लाखों लोगों को डिजिटल पहचान उपलब्ध कराने वाले सरकारी कार्यक्रमों ने इस व्यवस्था की मजबूत नींव तैयार की। साथ ही सस्ते स्मार्टफोन और तेजी से बढ़ती मोबाइल इंटरनेट सेवाओं ने डिजिटल भुगतान को बड़े पैमाने पर अपनाने में अहम भूमिका निभाई।

अदाणी टोटल गैस के शेयर में 20 फीसदी का उछाल, अन्य गैस कंपनियों के स्टॉक्स भी चढ़े

अहमदाबाद । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनावों के चलते पिछले दिन की तेजी के बाद बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में फिर से बड़ी गिरावट देखने को मिली और घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क लाल निशान में बंद हुए। इस बीच, देश में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को लेकर बढ़ते संकट के बावजूद अदाणी टोटल गैस के शेयर करीब 20 प्रतिशत उछलकर अपर सर्किट पर पहुंच गए। इस दौरान एनएसई पर कंपनी के शेयर 566.90 रुपए पर बंद हुए। कंपनी के शेयरों में यह तेज बढ़त उस घोषणा के बाद देखने को मिली, जिसमें कहा गया कि सरकार के हालिया आदेश के तहत घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और वाहनों में इस्तेमाल होने वाली कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) को गैस आपूर्ति में प्राथमिकता दी गई है। इस दौरान कंपनी के शेयरों में भारी ट्रेडिंग भी देखने को मिली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई पर कुल 1.64 करोड़ से अधिक शेयरों का कारोबार हुआ, जो सामान्य से करीब 20 गुना ज्यादा रहा। अदाणी टोटल गैस सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस में काम करती है और घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक तथा वाहन उपयोगकर्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करती है। बाजार में गिरावट के बावजूद अन्य गैस कंपनियों के शेयरों में भी इंट्रा-डे ट्रेडिंग के दौरान तेजी देखने को मिली। गुजरात गैस का शेयर लगभग 12 प्रतिशत बढ़कर 420 रुपए तक पहुंच गया और कारोबार के अंत में 3.96 प्रतिशत बढ़कर 390 रुपए पर बंद हुआ। इसके अलावा, पेट्रोनेट एलएनजी, गेल (इंडिया), इंद्रप्रस्थ गैस (आईजीएल) और महानगर गैस (एमजीएल) के शेयरों में भी खरीदारी देखने को मिली और ये करीब 2 प्रतिशत तक बढ़कर बंद हुए।

लिशुई एयरपोर्ट एक 'सफेद पक्षी'

झेजियांग। चीन के झेजियांग प्रांत की पहाड़ियों के बीच बना लिशुई एयरपोर्ट दूर से किसी विशाल 'सफेद पक्षी' जैसा दिखता है। इसकी छत एल्यूमीनियम पैनलों से बनी है, जो पंखों की तरह झुकी है। टर्मिनल के अंदर खास लकड़ियां इस्तेमाल की गई हैं, जो शोर सोखकर माहौल शांत रखते हैं। इससे यात्रियों को भीड़ में भी सुकून मिलता है। इसकी लागत 3,800 करोड़ रुपए है।

यात्रियों को भीड़ में भी सुकून के साथ और भी कई खासियतें

- सालाना 10 लाख यात्री को संभालने में सक्षम
- मझोले आकार के विमानों के लिए 1 रनवे
- साल भर में 9,500 विमानों की आवाजाही को संभाल सकता है।

न्यूज विंडो

लूडो खेलने के दौरान हुई बहस, युवक ने दोस्त को गोलियों से भून दिया

भागलपुर। पीरपैंती में नौ मार्च की शाम पीरपैंती में पूर्व सैनिक पुत्र ऋषभ झा की हत्या उसके जिगरी दोस्त सौरभ कुमार उर्फ अंकित गुप्ता ने अन्य दोस्तों की मदद से की थी। गोली लगने के बाद जमीन पर तड़पते ऋषभ को देख भयभीत दोस्तों ने आनन-फानन में योजना के तहत दो काल्पनिक बाइक सवार बदमाशों पर हत्याकांड को अंजाम दे भाग जाने की बात कह पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस टीम ने 24 घंटे के अंदर हत्याकांड का सच सामने लाते हुए सौरभ कुमार उर्फ अंकित गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने भानु कुमार, प्रीतम कुमार, राहुल कुमार और दीपक कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने हत्या में इस्तेमाल किया गया पिस्टल, के अलावा तीन कारतूस और एक खोखा भी बरामद कर लिया है।

कोर्ट के फैसले को लालू ने दी चुनौती हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। रेलवे में जमीन के बदले नौकरी से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) से जवाब मांगा है।मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने सीबीआई को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले पर अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी।साथ ही लालू के करीबी सहयोगी भोला यादव की याचिका पर भी सुनवाई होगी। इस याचिका में कुछ आरोपितों को माफ करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है और उन्हें सरकारी गवाह बनने की इजाजत दी गई थी।सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई मामला नहीं बनता क्योंकि रेल मंत्री के तौर पर भर्ती से उनका कोई लेना-देना नहीं था।

पहाड़ों पर बारिश और बर्फबारी से मिली राहत, मैदानी क्षेत्रों में तपन

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम में एक बार फिर बदलाव आया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले दोनों से बर्फबारी हो रही है, जबकि घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश का दौर शुरू हुआ है। इससे गर्मी से कुछ राहत मिली है। लेकिन उत्तर, पश्चिम और पूर्वी राज्यों में तपिश बरकरार है और अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। हालांकि, दो दिन बाद उत्तर-पश्चिम में सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों के साथ ही उत्तर के मैदानी राज्यों में गरज के साथ बारिश होने और तेज हवा चलने का अनुमान है, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, कश्मीर घाटी के ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में बुधवार को भी भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई। इससे दो दिन में ही अधिकतम तापमान 10 डिग्री तक नीचे आ गया है। हालांकि, रात का पारा अब भी गर्म है, यह सामान्य से 7 डिग्री ऊपर है। श्रीनगर का अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, आज यह 12.5 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 2.2 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान और बढ़ा यह, 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 7.2 डिग्री अधिक है। 12-15 मार्च तक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ पड़ने और मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है।

घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत से देशभर में मचा हाहाकार

गैस संकट: कहीं चाय महंगी तो कहीं खाना हुआ बंद, लोग हो रहे परेशान

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

ईरान-इजरायल युद्ध की आंच भारत तक पहुंच चुकी है। भारत में LPG गैस को लेकर संकट मंडरा रहा है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन कई शहरों से LPG की किल्लत की खबरें आ रही है। रेस्तरां और फैक्ट्री संचालकों ने कहा, कमर्शल गैस सिलिंडर मिल ही नहीं रहा। LPG की कमी से कई रेस्तरां और फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर है। हालात ऐसे है कि शादी के किचन से लेकर छोटे रेस्तरां तक लकड़ी और कोयले पर खाना पकाने की नौबत आ गई है। कई जगह कैंटीन बंद हो गई। IRCTC ने माइक्रोवेव और इंडक्शन के इस्तेमाल को कहा है। घरेलू सिलिंडर के लिए भी लंबी कतारें लग रही है। जमीनी हालात भले ही खराब दिख रहे हो, लेकिन केंद्र सरकार का दावा है कि बाकी सब ठीक है, घबराने की जरूरत नहीं है।

बेंगलुरु-पुणे में 80% होटल बंद होने की आशंका: बेंगलुरु-पुणे के कई इलाको में लंबी कतारें लग गई है। एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक नहीं होने से लोगों को धूप में इतजार करना पड़ रहा है। कारोबारियों के पास केवल दो-तीन दिन का गैस स्टॉक बचा है। पुणे होटल असोसिएशन के अध्यक्ष गणेश शेट्टी ने बताया कि पुणे-बेंगलुरु में करीब 80% होटल बंद होने की आशंका जताई जा रही है। गैस आपूर्ति प्रभावित होने से होटल कारोबार के साथ वड़ा पाव ठेले, चाइनीज स्टॉल, अमृततुल्य चाय की दुकाने और अन्य विक्रेता भी प्रभावित होंगे।

35 फैक्ट्रियां गैस नहीं मिलने से बंद हुई: मेरठ के औद्योगिक क्षेत्रों की असोसिएशन की माने तो जिले में 47 हजार उद्योगों पर असर पड़ा है। मेरठ IIA के वाइस चेयरमैन राजीव अग्रवाल का कहना है कि गैस, प्लास्टिक की किल्लत से शहर में यूनिट बंद होने लगे हैं। बागपत जिले में गैस की 32 एजेंसिया है। यहां 35 फैक्ट्रियों में सिलिंडर नहीं मिलने से काम बंद हो गया है। मुरादाबाद मंडल के रामपुर, अमरोहा और संभल जिलों में इंडियन गैस सर्विस ने होटलों और रेस्टोरेंट में सिलिंडर की सप्लाई रोक दी है।

बुजुर्ग, छात्र और मरीज़ों को दिक्कत: बेंगलुरु होटल असोसिएशन का कहना है कि अगर सप्लाई बहाल नहीं हुई होटल बंद करने पड़ेंगे। कई बुजुर्ग, छात्र और मरीज खाने के लिए होटलो पर निर्भर रहते है। ऐसे में आम लोगों को भारी दिक्कत होगी। वहीं, कर्नाटक के फूड और सिविल सप्लाई मंत्री के एच मुनियप्पा ने कहा कि LPG सप्लाई को लेकर तेल कंपनियों ने भरोसा दिया है कि हर परिवार को महीने में एक घरेलू सिलिंडर मिलेगा।

भोपाल में होटलों को दिक्कत, कालाबाजारी की शिकायत

मध्य प्रदेश के होटल संचालकों ने कहा कि कीमत बढ़ने के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल रहा है। शादी के सीजन में इस तरह की शॉर्टेज ने दिक्कत बढ़ा दी है। कुछ जगह भट्टियों की मदद से खाना तैयार किया जा रहा है, लेकिन रेस्तरां में मुश्किल हो रही है। भोपाल में सिर्फ उन होटल और रेस्तरां संचालकों को राहत है जिन्होंने पीएनजी पाइप का कनेक्शन ले रखा है। लेकिन पुराने शहर के ज्यादातर संस्थानों में ईंधन न के बराबर है।इस बीच कमर्शियल सिलेंडर की भारी मात्रा में कालाबाजारी की शिकायतें मिल रही है। 5 किलो के सिलेंडर के लिए 1500 रुपए तक मांगें जा रहे है।

9 हजार रेस्तरां बंद होने की कगार पर

मुंबई, पुणे और नागपुर में कॉमर्शल गैस की भारी कटौती की गई है। पुणे में नगर निगम ने गैस शवदाह गृह अस्थायी रूप से बद कर दिए है। राज्य के करीब 9,000 रेस्तरां और बार पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। मुंबई में होटल असोसिएशन 'आहार' ने चेतावनी दे चुका है कि अगर सप्लाई नही सुधरी, तो अगले दो दिनो मे आधे से ज्यादा यानी 50% होटलों पर ताले लग सकते है।

शादी में बजाए चार डीजे दीवार गिरने से दो बच्चों समेत कई घायल

खानपुर (बुलंदशहर)। गांव परवाना में रात शादी की खुशियां उस समय चीख-पुकार में बदल गई, जब डीजे की तेज आवाज और धमक के कारण एक कमरे की दीवार गिर गई। हादसे में दीवार के पास डांस कर रहे दो बच्चे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इसके अलावा पांच लोग घायल हैं।

गांव परवाना स्थित रननी वाला मोहल्ला निवासी ब्रजमोहन सिंह की पुत्री का विवाह था। धमेडा गांव से बरात आई थी। रात करीब 12 बजे जब बारात की चढ़त हो रही थी, तब वहां मौजूद चार डीजे संचालकों के बीच आपस में सबसे तेज आवाज निकालने की होड़ शुरू हो गई। डीजे की धमक इतनी तेज थी कि पारमिता स्कूल के पास स्थित सुरेश के घेर में बने भूसे के कमरे की पुरानी दीवार कंपन बर्दाश्त नहीं कर सकी और ढह गई।

छत्तीसगढ़ में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी पर एक करोड़ तक लगेगा जुर्माना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सीजीपीएससी भर्ती घोटाले से सबक लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था लागू करने जा रही है। विधानसभा के वर्तमान बजट सत्र में जल्द ही सरकार 'छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक-2026' पेश करेगी।यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस 'गारंटी' को पूरा करने की दिशा में है, जिसमें उन्होंने परीक्षा सुधार का वादा किया था।

नए कानून के तहत, भर्ती परीक्षाओं में नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी को एक से पांच साल तक की जेल और पांच लाख रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। वहीं, यदि कोई गिरोह या व्यक्ति पेपर लीक या नकल कराने में शामिल पाया जाता है तो उसे कठोर कारावास के साथ एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना देना होगा।

कोचिंग संस्थानों पर भी लगेगी लगाम

विधेयक में कोचिंग संस्थानों के लिए भी सख्त नियम बनाए जा रहे हैं। अब कोई भी संस्थान चयन की 'सौ प्रतिशत गारंटी' देकर युवाओं को प्रलोभन नहीं दे सकेगा। भ्रामक प्रचार या सफलता के झूठे दावे करना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। सरकार का लक्ष्य भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर युवाओं का विश्वास बहाल करना है।

दिल्ली के उत्तम नगर में लगी भयानक आग करीब 400 झुग्गियां जलकर हुई खाक

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के उत्तम नगर में रात स्लम इलाके में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि करीब 300 से 400 झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं। अब तक आग लगने के कारण का खुलासा नहीं हो पाया है। राहत की एक बात ये है कि इस हादसे में अब तक किसी की जान जाने की जानकारी सामने नहीं आई है। आइए जानते हैं इस घटना के बारे में विस्तार से।

दिल्ली फायर सर्विस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, बुधवार की रात उत्तम नगर इलाके में झुग्गियों में आग लग गई। इस घटना में लगभग 300 से 400 झुग्गियां नष्ट हो गई। दमकल विभाग को रात 11.50 बजे के आसपास आग लगने की सूचना मिली थी जिसके बाद दमकल की 23 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घंटों तक कड़ी मशक्कत करने के बाद दमकल कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया। फिलहाल इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है। 'सामने आई जानकारी के मुताबिक, ये आग उत्तम नगर के मटियाला गांव के मछली मार्केट में लगी थी। आग लगने के बाद इलाके में पूरी तरह से अफरा-तफरी का माहौल हो गया था।

भुवनेश्वर में लगी भीषण आग, 15 से अधिक दुकानें जली

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के भरतपुर इलाके में स्थित कलिंग स्टूडियो चौक के पास तारिणी मार्केट में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई, जिससे कई दुकानों को भारी नुकसान हुआ और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग रात करीब 12 से 12:30 बजे के बीच लगी और देखते ही देखते पूरे मार्केट क्षेत्र में फैल गई।

मेट्रो एंकर

विदेशों में तो लगा दिया जाता है जहर का इंजेक्शन

जीवन बचाने वाले इलाज को रोक देना या हटा देना 'इच्छामृत्यु'

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को ऐतिहासिक फैसला देते हुए देश में पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति दे दी। इस फैसले के साथ 13 साल से मरणासन्न स्थिति में जी रहे गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा के कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण हटाकर उसे कष्ट से मुक्त करने का रास्ता साफ हो गया।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने दिल्ली स्थित एम्स में डॉक्टरों की देखरेख में हरीश राणा के कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण हटाने की अनुमति दी ताकि उसका सम्मान बना रहे। पीठ ने एम्स को हरीश को पैलिएटिव केयर में भर्ती करने निर्देश दिया। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यह सभी प्रक्रिया मानवीय तरीके से की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने युवक के माता-पिता, मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करते हुए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की इजाजत दी। याचिका में जीवन रक्षक सपोर्ट हटाकर प्राकृतिक रूप से मृत्यु के लिए छोड़ देने की अनुमति देने की मांग गई थी।

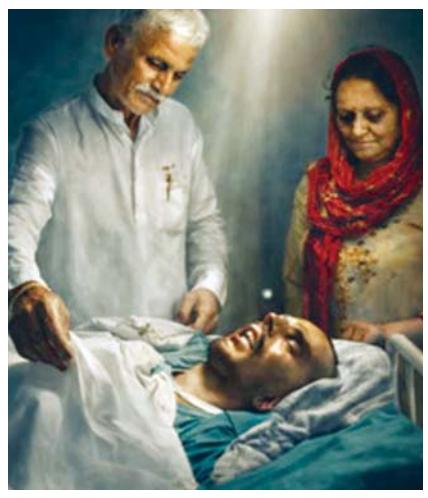

क्या है निष्क्रिय इच्छामृत्यु

पैसिव यूथेनेशिया यानी निष्क्रिय इच्छामृत्यु एक ऐसा कदम है, जिसमें किसी मरीज का जीवन रक्षक उपकरण या उसे जिंदा रखने के लिए दिया जा रहा जरूरी इलाज रोककर उसे प्राकृतिक रूप से मरने दिया जाता है। निष्क्रिय इच्छामृत्यु का मतलब है जीवन बचाने वाले इलाज को रोक देना या हटा देना, जैसे वेंटिलेटर, भोजन देने वाली नली या कृत्रिम पोषण बंद कर देना। इससे मरीज की प्राकृतिक मृत्यु हो जाती है क्योंकि इलाज जारी रखने से केवल शरीर को कृत्रिम रूप से जिंदा रखा जा रहा होता है और सुधार की कोई उम्मीद नहीं रहती।

मंजूरी मिलने पर क्या होता है

सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति के बाद चिकित्सकों के दो अलग-अलग चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर जीवन रक्षक इलाज हटाया जाता है।

मरीज को दर्द कम करने और आराम देने वाली देखभाल दी जाती है। इसके बाद मृत्यु प्राकृतिक रूप से होती है, जैसे भूख, प्यास या बीमारी के कारण शरीर धीरे-धीरे काम करना बंद कर देता है।

भारत और अन्य देशों में क्या अंतर

भारत में असाध्य दर्द में 'गरिमापूर्ण मृत्यु' मान्य है, जबकि दुनिया के कई हिस्सों में मरीज को घातक इंजेक्शन या दवा देना मान्य है।

भारत में केवल निष्क्रिय इच्छामृत्यु (लाइफ सपोर्ट हटाना) को कड़ी शर्तों के साथ वर्ष 2018 में कानूनी मान्यता दी गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564